epaper.dehatsandesh.com

3 राणा ने छुंगन नबनी में जनता दरबार लगाया

5 ई स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 : मैग्नस ने अलीरेजा को हराकर जीता खिताब

8 कृषि अर्थव्यवस्था में सब्जियों का महत्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 24 — अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-191 | जम्मू तवी, रविवार 03 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

‘ऑपरेशन सिंदूर’ महादेव के आशीर्वाद से सफल हुआः प्रधानमंत्री मोदी

वाराणसी, 2 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में सफल हुए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सफलता भगवान शिव (महादेव) के आशीर्वाद से ही संभव हो सकी। यह उनकी काशी आगमन के बाद पहली सार्वजनिक सभा थी, जिसमें उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में मारी गई 26 मासूमों की बेटियों का दर्द उनका अपना वचन बन गया, जिसे उन्होंने अब पूरा कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला देश के लिए गहरा घाव था। मैंने बाबा विश्वनाथ से पीड़ित परिवारों को शक्ति देने की प्रार्थना की थी और काशी की बेटियों से वादा किया था कि उनके सिंदूर का बदला जरूर लिया जाएगा

“ भारत पर हमला करने वालों को पाताल में भी नहीं मिलेगी जगह

— और आज वह वचन पूरा हुआ।

सभा की शुरुआत पीएम मोदी ने ‘नमः पार्वती पतये हर हर महादेव’ के उद्घोष के साथ की। उन्होंने सावन मास में काशीवासियों से मिलना सौभाग्य बताया और कहा कि देश के करोड़ों किसानों को आज यहां से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भगवान शिव कल्याणकारी हैं, लेकिन जब आतंक और अन्याय सामने होता है, तो वे काल भैरव का रूप भी लेते हैं। भारत ने भी ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान यही रूप दिखाया। जिसने भी भारत पर हमला किया — वो अब सुरक्षित नहीं है, चाहे वह पाताल में ही क्यों न छिपा हो। पाकिस्तान की कई एयरबेस ध्वस्त में हैं पीएम मोदी ने बताया कि भारतीय मिसाइलों और ड्रोन ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को मलबे में बदल दिया है। आज भी पाकिस्तान के कई एयरबेस ध्वस्त में हैं, उन्होंने कहा। अगर पाकिस्तान ने फिर गलती दोहराई, तो यूपी में बनी मिसाइलें आतंकवादियों को मिटा देंगी। कांग्रेस और सपा को आतंकियों की मौत से दुख क्यों?

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से कुछ लोगों को पेट में दर्द हो रहा है। दहशत के बादशाह रो रहे हैं, और उनके साथ कांग्रेस व सपा भी रो रहे हैं।

उन्होंने विपक्ष पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहकर कांग्रेस ने शौर्य और बलिदान का अपमान किया है। बताइए, क्या ‘सिंदूर’ कभी तमाशा हो सकता है? समाजवादी पार्टी वोटबैंक की राजनीति कर रही है पीएम मोदी ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि ये वही पार्टी है जिसने बम धमाकों के आरोपियों पर मुकदमे वापस लिए थे। उन्हें न आतंकियों के मरने पर चैन है, न ‘ऑपरेशन सिंदूर’ नाम से। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, क्या हमें आतंकियों को मारने से पहले सपा नेताओं से परमिशन लेनी चाहिए?

ब्रह्मोस की गर्जना से दुश्मनों की नींद उड़ चुकी है

प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का ज़िक्र करते हुए बताया कि जल्द ही लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण शुरू होगा। यूपी डिफेंस कॉरिडोर में बने हथियार, भारत की सैन्य शक्ति की रीढ़ बनेंगे, उन्होंने कहा। सभा के समापन पर प्रधानमंत्री ने कहा, नया भारत भोलेनाथ की पूजा करता है, लेकिन जब दुश्मनों की बात आती है, तो काल भैरव बनकर उसका विनाश भी करता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा से नहीं उठेगी जम्मू-कश्मीर की आवाज़

जम्मू तवी, 2 अगस्त। देश में 17वें उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन एक बार फिर जम्मू-कश्मीर राज्यसभा में गैरमौजूद रहेगा। फरवरी 2021 से जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटें खाली पड़ी हैं, और अब तक इन्हें भरने की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। ऐसे में इस बार के उपराष्ट्रपति चुनाव में केवल पांच लोकसभा सांसदों को ही जम्मू-कश्मीर की ओर से मतदान का अवसर मिलेगा। भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और मनोनीत सांसदों द्वारा किया जाता है। परंतु जम्मू-कश्मीर को लगातार दूसरी बार राज्यसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा, जिससे प्रदेश की राष्ट्रीय राजनीति में भागीदारी अधूरी रह जाती है उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर-अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं और हृष्ट-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत प्राप्त है। इसके बावजूद, चुनाव आयोग ने

जम्मू-कश्मीर से सिर्फ लोकसभा सांसद ही देंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट

राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया आरंभ नहीं की है। गठबंधन तीन राज्यसभा सीटें जीतने की स्थिति में है, जबकि भाजपा अपने 28 विधायकों और पांच नामित विधायकों के समर्थन से एक सीट पर दावा कर सकती है। हालांकि, कांग्रेस ने इन नामांकनों को अदालत में चुनौती दी है, जिससे पूरी प्रक्रिया फिलहाल अटकी हुई है।

इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर से डॉ. जितेंद्र सिंह (उधमपुर-डोडा), जुगल किशोर शर्मा (जम्मू-रेसी) — दोनों भाजपा से, आगा रूहुल्ला मेहदी (श्रीनगर) और मियां अल्ताफ अहमद (अनंतनाग-पुंछ-राजौरी) — नेशनल कॉन्फ्रेंस से, और इंजीनियर राशिद (बारामूला) — निर्दलीय, मतदान करेंगे। लद्दाख से मो. हनीफा जान (निर्दलीय) भी वोट डालेंगे।

हालांकि, जम्मू-कश्मीर से भाजपा के नामित राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना को मतदान का अधिकार प्राप्त है क्योंकि नामित सदस्य भी उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर की गैरमौजूदगी से यह स्पष्ट होता है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रदेश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व धीरे-धीरे सीमित होता गया है। यह स्थिति न केवल संवैधानिक प्रश्न उठाती है, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोकतांत्रिक ढांचे की पूर्ण भागीदारी पर भी सवाल खड़े करती है।

खबर संक्षेप

श्री अमरनाथजी यात्रा 3 अगस्त से स्थगित रहेगी

श्रीनगर 02 अगस्त। हाल ही में हुई भारी बारिश और श्री अमरनाथजी यात्रा मार्ग के बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर ट्रैक रखरखाव की आवश्यकता के कारण, दोनों ट्रैकों पर यात्रा बंद कर दी गई है।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा, फ्हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण, बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर महत्वपूर्ण मरम्मत और रखरखाव कार्य आवश्यक हैं। यह देखा गया है कि कल से ट्रैक पर कर्मियों और मशीनों की निरंतर तैनाती के कारण, हम यात्रा फ्रि से शुरू नहीं कर पाएँगे। इसलिए, 3 अगस्त से दोनों मार्गों से यात्रा स्थगित रहेगी।

इस वर्ष 4.10 लाख से अधिक यात्रियों ने श्री अमरनाथजी की पवित्र गुफ़ा में दर्शन किए।

अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सात व्यावसायिक ढाँचे सील

जम्मू, 3 अगस्त जम्मू विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए) द्वारा शनिवार को चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सात व्यावसायिक ढाँचों को सील कर दिया गया और कई अवैध रूप से निर्मित चबूतरों को ध्वस्त कर दिया गया।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जेडीए की प्रवर्तन शाखा ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर जम्मू खास तहसील के मजीन में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया।

35 साल से जम्मू में रह रही पाक नागरिक को कोर्ट से मिली राहत

जम्मू, 2 अगस्त। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत से निर्वासित की गई पाकिस्तानी नागरिक रक्षंदा राशिद को भारत लौटने के लिए विज़िटर वीज़ा दिया जाएगा। इस संबंध में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट को जानकारी दी है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने रक्षंदा की याचिका खारिज कर दी है।

62 वर्षीय रक्षंदा राशिद, जो कि पाकिस्तान की नागरिक हैं, ने 35 वर्ष पूर्व जम्मू निवासी शेख जहूर अहमद से विवाह किया था और तब से जम्मू के तलाब खटिकन क्षेत्र में रह रही थीं। उन्होंने 1990 में 14 दिन के वीज़ा पर भारत प्रवेश किया था और बाद में उन्हें लॉन्ग टर्म वीज़ा (स्र्क्षङ्क) पर साल दर साल भारत में रहने की अनुमति दी गई थी।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने का निर्णय लिया था। इसी के तहत 28 अप्रैल को उन्हें ‘लीव इंडिया नोटिस’ जारी किया गया और 29 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया गया। उन्हें अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर तक पहुँचाकर पाकिस्तान भेजा गया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से विज़िटर वीज़ा देने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय भविष्य में किसी मामले में उदाहरण नहीं माना जाएगा।

कश्मीर समस्या का समाधान कलम में : धर्मेंद्र प्रधान

भारत की ज्ञान प्रणालियाँ शिक्षा का हिस्सा होनी चाहिए, विकृत इतिहास को सुधारने की ज़रूरत : सिन्हा

जम्मू, 2 अगस्त। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान हिंसा में नहीं, बल्कि शिक्षा में है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कश्मीर एक शिक्षित समाज है। कश्मीर समस्या का समाधान बंदूकों या लाठियों में नहीं, बल्कि कलम में है। कश्मीरी समाज एक शिक्षित समाज है, प्रधान ने यहाँ एसकेआईसीसी में नौ दिवसीय चिनार पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर में कई चीजें पहली बार हो रही हैं। कई वर्षों के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ बहाल हुई हैं।

गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए कई सुविधाएँ या कार्यक्रम, या विभिन्न कानून, जो पहले यहाँ लागू नहीं होते थे, अब अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए, प्रधान ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले, केंद्र शासित प्रदेश में कई वर्षों तक स्थानीय चुनाव नहीं हुए थे। उन्होंने कहा, लोगों का जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व गायब था; अब, धीरे-धीरे, जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल हो रही है। यह कहते हुए कि कश्मीर में सामान्य स्थिति लौट रही है, प्रधान ने विश्वास व्यक्त किया कि घाटी में पर्यटन क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, स्थानीय व्यवसाय स्थिर हो रहे हैं, और जैसे-जैसे व्यवस्था आगे बढ़ेगी, लोगों का विकास जम्मू-कश्मीर में समृद्धि की ओर ले जाएगा। प्रधान ने घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर में पुस्तकालय आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं को लागू करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले साल के चिनार महोत्सव तक, जम्मू-कश्मीर की स्थानीय भाषाओं की विभिन्न पुस्तकों का देश की अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री ने उल्लेख किया कि चिनार पुस्तक महोत्सव को एक स्थायी आयोजन के रूप में स्थापित करने के प्रयास किए जाएँगे। प्रधान ने महोत्सव की सफलता का जश्न मनाते हुए कहा कि इंटरनेट के प्रचलन के बावजूद, पुस्तकों में अभी भी नई पीढ़ी को जोड़ने की शक्ति है।

बस फिसलने से 40 यात्री बाल-बाल बचे

जम्मू, 2 अगस्त। शनिवार सुबह कम से कम 40 यात्री चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए, जब गंभीर मुगलान इलाके से राजौरी जाते समय उनकी बस सड़क से फिसलकर एक चट्टान के किनारे से कुछ इंच की दूरी पर रुक गई। बताया जा रहा है कि नियमित रूट पर जा रही बस ने नियंत्रण खो दिया और 300 फुट गहरी नदी की खाई के पास खतरनाक रूप से मुड़ गई, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के सिलसिले में इलाके पर नियंत्रण रखने के लिए पास में तैनात गंभीर कैंप रोमियो फोर्स से भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के जवान तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए घटनास्थल पर पहुँचे। सेना के जवानों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और लगभग बारह यात्रियों को प्राथमिक उपचार दिया, जिन्हें मामूली चोटें आई थीं।

मुख्य सचिव ने विकास परियोजनाओं और प्रमुख सरकारी योजनाओं की व्यापक समीक्षा की

शोपियां 02 अगस्त। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शोपियां जिले के दौरे पर जिला प्रशासन के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की और चल रही विकास परियोजनाओं और प्रमुख सरकारी योजनाओं की व्यापक समीक्षा की। शोपियां के उपायुक्त शिशिर गुप्ता ने जिले के विकास मानकों का समग्र विवरण प्रस्तुत किया, जबकि जिला/क्षेत्रीय अधिकारियों ने अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्य सचिव ने जिले में क्रियान्वित विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं, जिनका वित्तपोषण यूटी कैपेक्स, जिला कैपेक्स और सीएसएस के माध्यम से किया जा रहा है, के साथ-साथ वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वर्ष 2025-26 में भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अध्यक्ष के समक्ष जिले में निर्माणाधीन प्रमुख विकास परियोजनाओं की नवीनतम स्थिति और पूर्णता का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिनमें औद्योगिक एस्टेट ट्रेंज, डीएच शोपियां में क्रिटिकल केयर ब्लॉक और जिला एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, ट्रेंज-शेखपोरा पुल, जीडीसी ज़ैनापोरा, पॉलिटेक्निक कॉलेज, इनडोर स्टेडियम, ट्रांजिट आवास, पीआरआई आवास, जिला न्यायालय परिसर आदि शामिल हैं। परियोजनाओं के निर्माण में शामिल कार्यकारी एजेंसियों को निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए ताकि ये सुविधाएं जल्द से जल्द जन कल्याण के लिए समर्पित की जा सकें। इसी प्रकार, अधिकारियों को केंद्र प्रायोजित योजनाओं और केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं के अंतर्गत विभागवार और योजनावार विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए प्रदर्शन को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। एचएडीपी, जेजेएम, आरडीएसएस, एसएमएएस, आरकेवीवाई, मिशन युवा, जनजातीय योजना, और अन्य किसान कल्याण, रोजगार एवं आजीविका आधारित, सामाजिक कल्याण, कौशल, शिक्षा, खेल, बाल एवं महिला तथा स्वास्थ्य क्षेत्र सहित प्रमुख योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

आर्म्स डीलर संजय भंडारी की संपत्तियां कुर्क कराने के लिए कोर्ट पहुंची ईडी

नई दिल्ली 2 अगस्त। आर्म्स डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित किए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उसकी देशभर में स्थित संपत्तियों को जब्त करने की मांग को लेकर राऊज एवेन्यू कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की है। ईडी की ओर से दाखिल अर्जी पर शनिवार को सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी ने अपने पक्ष में कई अहम दलीलें पेश कीं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि संजय भंडारी से सीधे तौर पर जुड़ी जितनी भी संपत्तियां हैं, चाहे वे कंपनियों के माध्यम से अर्जित की गई हों या व्यक्तिगत मालिकाना हक में हों, उन पर अब तक किसी भी व्यक्ति या संस्था ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है।

कुलगाम मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

जम्मू, 2 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर ज़िले के अखल स्थित एक वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद रात भर मुठभेड़ जारी रही।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम दोनों पक्षों के बीच शुरुआती गोलीबारी के बाद, रात भर के लिए अभियान रोक दिया गया। घेराबंदी को मज़बूत किया गया और इलाक़े में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए। अधिकारियों

ने बताया कि शनिवार सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान अभी भी जारी है।

नया भारत आतंक के गढ़ में घुसकर देता है जवाब : सीएम योगी

वाराणसी, 2 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में काशी में आयोजित एक भव्य लोकार्पण/शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नया भारत अब पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिला सकता है और दुश्मन के घर में घुसकर खात्मा करने का माद्दा रखता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने भारत की शक्ति और क्षमता को महसूस किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पिछले 11 वर्षों में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। हाल ही में घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, नामीबिया और ब्राजील द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया है, जो 140 करोड़ भारतीयों के गौरव का प्रतीक है। सीएम योगी ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहला अवसर है जब कोई प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि काशी, नूतन और पुरातन, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम बन चुकी है और पीएम मोदी के नेतृत्व में यह दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है।मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि काशी के लिए अब तक ₹51,000 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं। इनमें से ₹34,000 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया जा चुका है, जबकि शेष ₹16,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। इस बार भी पीएम मोदी ₹2,200 करोड़ की योजनाओं का तोहफा काशी को दे रहे हैं, जिनमें कनेक्टिविटी, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित योजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की नीतियां भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में कर रहीं मदद- किसानों ने की सराहना

नई दिल्ली, 2 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने और लोगों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के आह्वान की देशभर के किसानों ने सराहना की है। शनिवार को पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी होने के बाद किसानों ने कहा कि यह योजना उनके लिए एक बड़ा सहारा बन गई है, जिससे उन्हें समय पर खेती के खर्च पूरे करने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से यह किस्त जारी की और 9.7 करोड़ से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में सीधे 20,500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मऊ गांव के विजय कुमार उपाध्याय ने कहा कि यह धनराशि बीज, खाद खरीदने और सिंचाई लागत के प्रबंधन के लिए बहुत उपयोगी है। कारतिहान गांव के रामबृक्ष गौतम ने कहा कि धनराशि हमेशा सही समय पर आती है और खेती की जरूरतों में सीधे तौर पर मदद करती है। दोनों ने प्रधानमंत्री के प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद किया। हरियाणा के करनाल में एनडीआरआई ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां राज्य के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा किसानों के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन वर्चुअली देखने के लिए शामिल हुए। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पीएम-किसान योजना किसानों, खासकर छोटे किसानों के लिए जीवन रेखा है, क्योंकि इससे किसानों को साल में तीन बार वित्तीय सहायता मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि एक या दो कनाल जमीन पर खेती करने वाले लोग भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों की विविध कृषि आवश्यकताओं को समझने और देश भर के किसानों को उनके हक का समर्थन सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री की प्रशंसा भी की। मंत्री राणा ने वैश्विक व्यापार के मुद्दों पर भी टिप्पणी की और कहा कि जहां अमेरिका जैसे देश अपने व्यापारिक हितों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं भारत अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत का 140 करोड़ लोगों का विशाल बाजार दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र है, लेकिन देश बाहरी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। भारत के विकास पर राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने नागरिकों से स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों को चुनकर और मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों का समर्थन करके देश को मजबूत बनाने का आग्रह किया। एक किसान रिंकू ने बताया कि पीएम-किसान योजना समय पर सहायता प्रदान करती है, जिससे खेती के खर्चों का प्रबंधन आसान हो जाता है।

ट्रंप ने रूस पर दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के दिए आदेश

वाशिंगटन/नई दिल्ली,2 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को बड़ा आदेश दिया। उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का फैसला लिया है। यूएस के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट कर कहा कि रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव, जो अब रूसी संघ की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष हैं, के अत्यधिक भड़काऊ बयानों के आधार पर मैंने दो परमाणु पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों में तैनात करने का आदेश दिया है। उनके बयान मूर्खतापूर्ण और भड़काऊ हैं। ट्रंप ने कहा कि शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और अक्सर अनपेक्षित परिणाम दे सकते हैं। मुझे आशा है कि यह उन उदाहरणों में से एक नहीं होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। बता दें कि पिछले दिनों रूस ने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका के %गैर-जिम्मेदाराना% हमलों की कड़ी निंदा की थी। रूस ने हमले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी सदस्य की ओर से किया गया अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया था। साथ ही कहा कि इससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा होगी और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की व्यवस्था को बड़ा झटका लगेगा। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी हमले के बाद ईरान को कई देश परमाणु हथियार दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार भूल जाना चाहिए।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया। प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

महिलाओं के लिए डेटिंग टिप्स

क्या डेटिंग को कामयाब बनाने की जिम्मेदारी केवल पुरुषों की होती है, महिलाओं की नहीं। बात जब डेटिंग की आती है, तो पुरुषों को तमाम तरह के नियम कायदों की एक लिस्ट पकड़ा दी जाती है- लड़की को कैसे प्रभावित करें.. उससे कैसे बात करें.. कैसे उनके दिल में अपने लिए जगह बनाएं.. और भी तमाम तरह के नियम कायदे। लेकिन, क्या महिलाओं के लिए कोई कानून नहीं होता। मैडम आप अगर इस फिराक में हैं, तो कि आप कुछ भी करें सब चल जाएगा, तो ऐसा नहीं है। डेट चाहे पहली हो या फिर बाद की, कुछ बातों का ध्यान तो आपको भी रखना पड़ेगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि आपके प्यार की गाड़ी आगे चलने के बजाय पटरी से ही उतर जाए। तो जानते हैं? कि एक महिला होने के नाते डेट पर जाते समय आपको? किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

मेकअप हो सही

मेकअप किसी भी महिला के सबसे पसंदीदा कामों में से होता है। खासतौर पर अगर वो डेट पर जा रही हो, तो। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप अखरने वाला न हो। मेकअप आपकी खूबसूरती निखारने के काम आता है। कहीं ऐसा न हो कि अधिक मेकअप के चक्कर में आपकी पहचान ही कहीं छुप जाए। बहुत तीखी गंध वाला इत्र अथवा डियोड्रेंट आदि ना लगाएं। हल्की खुशबू माहौल को रूमानी बनाये रखती है।

सामान्य व्यवहार रखें

अपने ब्वॉयफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए झूठ का सहारा न लें। झूठ किसी भी रिश्ते को घुन की तरह समाप्त कर सकता है। आज भले ही आपका झूठ चल जाए, लेकिन बाद में जब बात खुलेगी, तो आप परेशानी में पड़ सकती हैं। रिश्ते के सुखद भविष्य के लिए बुनियाद मजबूत होना जरूरी है। इसलिए नये रिश्ते की शुरुआत के लिए सच का सहारा लें। डेटिंग की शुरुआत में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन जैसे-जैसे आप एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा।

उसकी भी बात सुनें-

डेट आपसी संवाद का एक मौका होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे से अपनी कहें और साथ ही दूसरे की बात सुनें भी। ऐसा नहीं कि एक ही साथी बोलता रहे और दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं मिले। यदि आपका बॉयफ्रेंड आपसे सहजता के साथ कोई सवाल कर रहा है तो उसका जवाब भी उसी सहजता से दें। अपने साथी की बातों को बीच में काटना अच्छी आदत नहीं।

लड़कों को बदलाव पसंद नहीं

आमतौर पर लड़कों को बदलाव पसंद नहीं। खासतौर पर अगर वह उन्हें बदलने को लेकर हो। वे भले ही आपसे उम्मीद करें कि आपका व्यवहार उनके मुताबिक हो, लेकिन जब बात खुद पर आती है, तो शायद वे इतने उदार न हों। तो, अगर आप चाहती हैं कि वो आपसे नाराज न हो, तो बात-बात पर अपने ब्वॉयफ्रेंड को टोकने से बचें। डेट रूमानियत भरी होनी चाहिए, इसमें उनकी टीचर बनने की कोशिश न ही करें, तो बेहतर। अधिकांश लड़के चाहते हैं कि जैसे वे हैं, वैसे ही उन्हें स्वीकार किया जाए। अपने डेट की बात ना कटें और विचारों पर अपने फैसले न थोपें विचारों की विविधता का सम्मान करें।

आंख से आंख मिलाना जरूरी

बातचीत में आई-कॉन्टैक्ट बनाकर बात करें। ध्यान रखें आंख से आंख मिलाकर बात करने का अर्थ घूरना नहीं होता। आंखें आपके दिल की जुबां होती हैं। जब आप अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ इस तरह बात करेंगी तो इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही साथ ही रिश्तों में मजबूती आयेगी।

पेमेंट करने के लिए पूछें-

लड़का है तो क्या वही पेमेंट करेगा। कई पुरुष आमतौर पर यही सोचते हैं कि लड़की के सामने खर्च करना उनकी जिम्मेदारी है। वे अक्सर इसे अपने अहम् से भी जोड़ लेते हैं। लेकिन, आप आज की नारी हैं। आप रिश्तों में बराबरी में विश्वास रखती हैं। तो, पेमेंट के लिए पूछने में कोई हर्ज नहीं।

ड्रिंक जरा संभलकर

अगर आप ड्रिंक करती हैं, तो उसकी मात्रा सीमित रखें। इतना न पी लें कि आप बहक जायें। इससे आपका प्रभाव तो गलत पड़ता है साथ ही किसी अनहोनी होने का खतरा भी होता है।

आत्मविश्वास है जरूरी

कभी हां, कभी ना वाली स्थिति लड़कों को परेशान करती है। बातचीत के दौरान बीच-बीच में यह ना दर्शायें कि आप ज्यादा अव्वल या काबिल हैं। डेट के उस पल का आनंद लें। यह नहीं कि भविष्य की बिना मतलब की चिंता में सारी डेट खराब कर बैठें। भविष्य की चिंता जरूरी है लेकिन उसके लिए बेचैनी ना जतायें बल्कि पूरी गंभीरता से सोचें और अपने पार्टनर को परखें।

बेवजह के सवालों से बचें

पहली मुलाकात में ही बहुत सारे सवाल न कर डालें। उनके पहली रिलेशनशिप को लेकर तो ऐसा करने से खासतौर पर बचें। उन्हीं मुद्दों पर बात करें जो आपके बीच सामान्य हों। अधिक व्यक्तिगत सवाल न ही पूछें। खुद पर ध्यान केन्द्रित करें और डेट का आनंद लेने के लिए अपने दिलोदिमाग को हल्का और तरोताजा रखें। कम सवालों में यह जानने की कोशिश करें कि उसका स्त्रियों के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उनका कितना सम्मान करता है।

इस बार के लिए बस-

रिश्तों में धीरे-धीरे संभलकर चलना ही अच?छा रहता है। एकदम से सारी बातें करने से बचें। हर डेट के लिए कुछ नया होना चाहिए। इससे रिश्तों में ताजगी और नयापन बना रहता है।

जब कहना हो बाय

अगर आपको मिलने के बाद उनकी कोई बात अच्छी लगे, तो जाने से पहले उसे जरूर बताएं। कई लोग दूसरों की अच्छी चीजों के बारे में कुछ नहीं कहते। लेकिन, आप अपने रिश?ते को सहज रखना चाहती हैं, तो उसकी तारीफ जरूर करें। अगर आपने अपने डेट के साथ अच्छा समय बिताया है, तो इस बात को शब्दों में जरूर कहें।

ये कुछ आम लेकिन जरूरी टिप्स हैं जो आपकी डेट में सहायक साबित हो सकते हैं। आपको आपकी डेट के लिए बहुत शुभकामनाएं।

ग्लिटर मेहँदी : वेडिंग अट्रैक्शन

मेहँदी है रचने वाली, हाथों में गहरी लाली

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है।

बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं।

बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं।

पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं। रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।

इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मुख्य सचिव ने श्रीनगर में जल परिवहन और झील संरक्षण उपायों की समीक्षा की

श्रीनगर 02 अगस्त। सतत शहरी परिवहन और पारिस्थितिक संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज श्रीनगर में अंतर्देशीय जल परिवहन शुरू करने की प्रगति की समीक्षा और चल रहे झील संरक्षण प्रयासों का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में आवास एवं शहरी विकास विभाग के आयुक्त सचिव, परिवहन सचिव, एसएमसी आयुक्त, एलसीएमए के उपाध्यक्ष, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक शामिल हुए।

बैठक की शुरुआत घाटी की प्रतिष्ठित झेलम नदी पर जल परिवहन को चालू करने के लिए उठाए गए कदमों की गहन समीक्षा के साथ हुई। आईडब्ल्यूएआई और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने बताया कि महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और महत्वपूर्ण तौर-तरीकों को पहले ही अंतिम रूप दे दिया गया है।

आयुक्त सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग, मनदीप कौर ने बताया कि 6 मार्च, 2025 को आईडब्ल्यूएआई और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन

पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे जल परिवहन सुविधाओं के व्यवस्थित विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने बताया कि आईडब्ल्यूएआई का श्रीनगर कार्यालय अब पूरी तरह कार्यात्मक है और इसके कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि झेलम नदी पर सात तैरते कंक्रीट जेटी का काम सौंपा गया है, जिसके पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा 15 जुलाई, 2025 की तारीख से पाँच महीने है। उन्होंने आगे बताया कि फेयरवे का रखरखाव पहले से ही चल रहा है और वुलर झील के ऊपर और नीचे एक-एक ड्रेजर तैनात किया गया है।

इसके अलावा, यह भी बताया गया कि कोच्चि वाटर मेट्रो लिमिटेड द्वारा झेलम नदी पर शहरी जल परिवहन पर एक अध्ययन किया जा रहा है। संगम से शादीपोरा पुल तक का खंड भी पूरा हो चुका है।

परिवहन विभाग ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक क्रूज़/बोट सेवाओं के लिए एक ऑपरेटर को नियुक्त करने हेतु एक मानक प्रस्ताव अनुरोध साझा किया है और इसके दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

डल और निगीन झील संरक्षण के संबंध में, झील संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण ने डल और निगीन झीलों के संरक्षण, प्रबंधन और विकास के लिए किए गए उपायों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

एलसीएमए के उपकुलपति, शाहिद सलीम ने विस्तार से बताया कि भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण के माध्यम से पहली बार झील की सीमा का सीमांकन पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि फ़रवरी 2023 में दोहराए गए ड्रोन सर्वेक्षणों से अवैध निर्माण और अतिक्रमणों को नियंत्रित करने में मदद मिली है। उन्होंने बताया कि झील के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाए बिना वैज्ञानिक रूप से खरपतवार हटाने और ड्रेजिंग करने के लिए एक बाथिमेट्रिक/हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण भी किया गया।

जहाँ तक सीवरेज उपचार का संबंध है, बैठक में बताया गया कि झीलों के आसपास वर्तमान में पाँच सीवेज उपचार संयंत्र कार्यरत हैं। उपचारित जल की गुणवत्ता में सुधार के लिए अमृत योजना 2 के अंतर्गत सभी मौजूदा एसटीपी का उन्नयन किया जा रहा है। झील के उत्तर-पूर्वी परिधि पर बचे हुए क्षेत्रों की जल निकासी के लिए गुप्त गंगा में 30 एमएलडी क्षमता का एक नया एसटीपी बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, झील में अनुपचारित अपशिष्ट जल को जाने से रोकने के लिए तेलबल क्षेत्र में 100 भूमि-आधारित बायो-डाइजेस्टर स्थापित किए गए हैं। अन्य उपायों के संबंध में, यह बताया गया कि खरपतवार निकालना, लिली निष्कर्षण और सामान्य सफ़ाई यांत्रिक और मैन्युअल दोनों तरीकों से की जा रही है। पिछले दो वर्षों में, झील के एक-तिहाई हिस्से का कायाकल्प हो चुका है और खुले पानी का विस्तार 20.3 वर्ग किमी से अधिक हो गया है। प्रतिवर्ष 70,000 मीट्रिक टन खरपतवार के प्रसंस्करण की क्षमता वाला एक जैव-मीथेनीकरण और खरपतवार निपटान संयंत्र भी चालू हो गया है, जो 'अपना खाद' नामक खाद का उत्पादन कर रहा है।

पुंछ के उपायुक्त ने ग्रामीण विकास विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की

पुंछ 02 अगस्त। पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ जिले भर में विकास कार्यों और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति का आकलन करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से प्रमुख आरडीडी योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के तहत जुलाई 2025 के अंत तक प्राप्त भौतिक और वित्तीय प्रगति पर ब्लॉकवार और पंचायतवार अद्यतन जानकारी प्राप्त की।

पंचायत घरों के निर्माण कार्य की प्रगति और स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पहल की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी खंड विकास अधिकारियों को मनरेगा कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए जॉब कार्ड धारकों को समय पर मजदूरी का वितरण और उनके खातों की आधार सीडिंग पूरी करने पर जोर दिया। उन्होंने चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने, नए कार्यों को शुरू करने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का भी आह्वान किया।

बैठक में एसीडी, एसीपी, डीपीओ, एक्सईएन आरईडब्ल्यू, बीडीओ, मुख्यालय सहायक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता, सेवा और संकल्प का संगम बना राजौरी पीजी कॉलेज

राजौरी, 2 अगस्त। 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के अंतर्गत सरकारी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, राजौरी ने परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ज़मीर अहमद मिर्ज़ा के मार्गदर्शन और नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिन्होंने छात्रों और शिक्षकों को स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के

निर्माण में स्वच्छता की भूमिका के प्रति प्रेरित किया।

प्रो. मिर्ज़ा ने कहा कि इस प्रकार के अभियान न केवल हमारे आस-पास के वातावरण को सुंदर बनाते हैं, बल्कि छात्रों और स्टाफ के बीच नागरिक कर्तव्य की भावना को भी मजबूत करते हैं।इस अभियान को कॉलेज की एनएसएस इकाई, शिक्षित भारत क्लब और इको क्लब के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इन इकाइयों ने मिलकर कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई, जागरूकता और पर्यावरणीय गतिविधियों का संचालन किया।

स्वच्छता अभियान में लगभग 100 छात्रों और बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया। छात्रों ने महिला पार्क, खुले क्षेत्र, गलियारों और कक्षाओं की सफाई की तथा कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और पर्यावरणीय संरक्षण के प्रति जागरूकता भी फैलाई।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रमुख शिक्षकों में शामिल थे-डॉ. ज़ाकिर हुसैन, डॉ. मोहम्मद लतीफ, डॉ. नईम उन निसा, डॉ. अहसन ए. रिज़वी, प्रो. अयाज़ अहमद, डॉ. अब्दुल रज़ाक, प्रो. मुरतज़ा अहमद, प्रो. नवीन शर्मा, प्रो. मकद्दा करीम, डॉ. शकील अहमद, प्रो. फ्लोरेंस चंद, प्रो. अंतिमा गुप्ता और प्रो. शाज़िया सहित अन्य शिक्षकगण।

यह आयोजन न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देने वाला सिद्ध हुआ, बल्कि महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने की याद भी दिलाई। कॉलेज ने ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे छात्र पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सक्रिय नागरिकता को आत्मसात कर सकें।

कार्यक्रम का समापन छात्रों और शिक्षकों द्वारा स्वच्छता और स्थिरता के मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की शपथ के साथ हुआ, जिससे यह अभियान स्वतंत्रता दिवस समारोह की दृष्टि से एक सार्थक और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

मंडलायुक्त जम्मू ने एसडीएम रामनगर राजिंदर सिंह और उनके पुत्र के निधन पर शोक व्यक्त किया

जम्मू 02 अगस्त। मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार ने एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में एसडीएम रामनगर राजिंदर सिंह राणा और उनके पुत्र के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए एक शोक सभा आयोजित की।

मंडलायुक्त कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा।

दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, मंडलायुक्त ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना की और कहा कि पूरा प्रशासन इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

राणा ने छुंगन नबनी में जनता दरबार लगाया

मेंढर 02 अगस्त। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की उत्तरदायी और जवाबदेह शासन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने छुंगन नबनी में एक जनता दरबार लगाया, जिसका उद्देश्य स्थानीय निवासियों से सीधे संवाद करना और जमीनी स्तर के मुद्दों का समाधान करना था।

जनता दरबार में क्षेत्र के विभिन्न गाँवों और बस्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मंत्री के साथ संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बातचीत के दौरान, निवासियों ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त सड़क अवसंरचना, जलापूर्ति और क्षेत्र में स्कूल भवनों की स्थिति से संबंधित कई मुद्दे उठाए।

मंत्री ने सभी शिकायतों को धैर्यपूर्वक और सहानुभूतिपूर्वक सुना और समुदाय के सदस्यों द्वारा उठाई गई गंभीर चिंताओं पर ध्यान दिया।

क्षतिग्रस्त सड़क नेटवर्क से उत्पन्न संकट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राणा ने मरम्मत कार्य तत्काल शुरू करने का आश्वासन दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि सड़क संपर्क गतिशीलता, आपातकालीन पहुँच और आर्थिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को शीघ्र मूल्यांकन करने और बिना किसी देरी के तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने का निर्देश दिया।

जल आपूर्ति के मामले में, मंत्री महोदय ने विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में पर्याप्त, स्वच्छ और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि क्षेत्र में जल आपूर्ति योजनाओं के सु.ढ़ीकरण और उन्नयन का कार्य संबंधित प्रमुख कार्यक्रमों और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत तेजी से किया जाएगा।

शिक्षा क्षेत्र में, राणा ने कहा कि स्कूल भवनों के नवीनीकरण और उन्नयन के लिए प्राथमिकता के आधार पर कदम उठाए जाएँगे, जिससे सीखने के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित होगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौजूदा सुविधाओं का विस्तृत ऑडिट करने और उन्नयन के प्रस्ताव जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

मंत्री महोदय ने आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला और दोहराया कि समावेशी विकास, पर्यावरण संरक्षण और सतत संसाधन प्रबंधन उनके विभाग के .ष्टिकोण के केंद्र में हैं।

उन्होंने सेवाओं की अंतिम छोर तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय शासन संस्थानों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल का आह्वान किया।

मंत्री महोदय के साथ आए अधिकारियों ने निर्देशों के समय पर क्रियान्वयन का आश्वासन दिया और यात्रा के दौरान निर्धारित विकास रोडमैप के कार्यान्वयन में पूर्ण सहयोग का वचन दिया।

हायर सेकेंडरी स्कूल भालरा ने आयोजित की हर घर तिरंगा रैली

अमीर इक़बाल खान

भद्रवाह, 2 अगस्त। देशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत, शुक्रवार को पीएम श्री गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल भालरा, भद्रवाह में डायरेक्टरेट ऑफ स्कूल एजुकेशन जम्मू और 10 J&K बटालियन एनसीसी भद्रवाह के तत्वावधान में एक जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली में एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय गर्व की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने तिरंगा हाथ में लेकर विद्यालय परिसर के चारों ओर मार्च किया और एकता व स्वतंत्रता की भावना से ओतप्रोत नारों के साथ देश को नमन किया।

इस अवसर पर एनसीसी एसोसिएट ऑफिसर एवं जोनल सांस्कृतिक एवं काउंसलिंग प्रभारी डॉ. संजीव कुमार कौल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने हर घर तिरंगा और घर-घर तिरंगा पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को एकता, संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक बताते हुए उसके सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. कौल ने इशाद अहमद के मार्गदर्शन में और प्रधानाचार्य सतीश कुमार की देखरेख में सफलतापूर्वक किया। कार्यक्रम का समापन संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देने की शपथ के साथ किया गया।

मिशन युवा ने जम्मू और कश्मीर में उद्यमिता क्षमता निर्माण मेला शुरू किया

श्रीनगर 02 अगस्त। युवाओं के नेतृत्व वाले नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, मिशन युवा ने जम्मू और कश्मीर के सभी 20 जिलों में उद्यमिता क्षमता निर्माण मेला शुरू किया है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य कौशल विकास, व्यावसायिक विचार और मार्गदर्शन के अवसरों के माध्यम से युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाना है जिससे क्षेत्र में एक जीवंत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी जा सके।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, पॉलिटेक्निक और कॉलेजों सहित शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित इस मेले में छात्रों, नवोदित उद्यमियों और सामुदायिक हितधारकों की उत्साहजनक भागीदारी देखी जा रही है। मिशन युवा के एक प्रवक्ता ने कहा, "उद्यमिता केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, यह क्षमताओं का निर्माण, समस्याओं का समाधान और समुदायों के भीतर मूल्य सृजन के बारे में है।" एक प्रतिभागी ने कहा, "यह मेला एक ऐसा मंच है जहाँ युवाओं को साहसपूर्वक सपने देखने, नवीनतापूर्वक डिज़ाइन करने और आत्मविश्वास से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
JAL SHAKTI DEPARTMENT
Office of Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division, Jammu
Phone: 0191-2577745, Email: ifcj.xenmidjmu@gmail.com
****

ABSTRACT OF NOTICE INVITING E-TENDERS
e-NIT No. MID/J/e-NIT/2025-26/40 Dated: 01/08/2025

Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division, Canal Road, Jammu, on behalf of Lt. Governor of J&K UT, invites tenders by e-tendering mode from registered and reputed Firms for Repairs to 5 cusec x 11.5 mtr head Horizontal split casing pump and rewinding of 50 HP motor of pumping unit-II along with allied works at LIS Jandi. The bidding process shall be completed online in two covers viz. Cover 'I' - Tender fee and Earnest Money Deposit, fulfillment of prequalification criteria, technical specifications and acceptance of terms and conditions of the tender and Cover 'II' - Financial Bid in the prescribed BOQ

S. No.	Name of Work	Qty.	Earnest Money	Cost of tender document	Period of completion	Validity of Rates	Name of Division
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Repairs to 5 cusec x 11.5 mtr head Horizontal split casing pump and rewinding of 50 HP motor of pumping unit-II along with allied works at LIS Jandi.	Complete job as per Scope of Work	2% of the quoted value	Rs200.00	07 Days	180 Days from date of Submission of bid.	Mechanical Irrigation Division, Jammu.

1.	Date of Issue of Tender Notice , viewed and downloaded from http://jktenders.gov.in	01/08/2025 (06:00 PM)
2	Bid submission Start Date	01/08/2025 (06:00 PM)
3	Bid Submission End Date	07/08/2025 (02:00 PM)
4	Date & time of opening of Technical Bids (Cover-I)	08/08/2025 (02:00 PM)

DIP/J-4208/25
Dtd: 2-8-2025

-sd-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Jammu

सकीना इत्तू ने मंज़गाम, कुलगाम के आकांक्षी ब्लॉक में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह की अध्यक्षता की

कुलगाम 02 अगस्त। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने मंज़गाम ब्लॉक में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह की अध्यक्षता की।

यह संपूर्णता अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2023 में शुरू किए गए आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत देश भर के 500 ब्लॉक शामिल हैं। कुलगाम जिले को इस कार्यक्रम के 6 संकेतकों में 100 प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है।

यह कार्यक्रम नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन कुलगाम द्वारा मंज़गाम के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया गया था, जो मंज़गाम आकांक्षी ब्लॉक की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

सम्पूर्णता अभियान के तहत, मंत्री सकीना ने आकांक्षा हाट का भी उद्घाटन किया, जो एक समर्पित प्रदर्शनी स्थल है जो

स्थानीय शिल्प, स्वयं सहायता समूह उत्पादों/ब्रांडों और किसानों की उपज संबंधी पहलों को बढ़ावा देता है। यह कार्यक्रम सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव का एक हिस्सा है।

इस अवसर पर एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, मंत्री महोदय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए उपलब्ध अनेक रोज़गार सृजन योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने जनता में अधिकतम जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

उन्होंने निरंतर जागरूकता अभियानों के महत्व पर भी ज़ोर दिया ताकि समुदाय उपलब्ध सहायता का पूरा लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त महोदय ने मंज़गाम को नीति आयोग के प्रदर्शन संकेतकों के अंतर्गत सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले प्रखंड में बदलने वाले अथक प्रयासों की सराहना की।

स्थानीय शिल्प, स्वयं सहायता समूह उत्पादों और किसान उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सप्ताह भर चलने वाले आकांक्षा हाट का उद्घाटन किया

संपादकीय

छात्रों को धमकाना चिंताजनक

स्कूलों में धमकाना पूरे भारत में एक बढ़ती हुई चिंता का विषय बन गया है, और जम्मू-कश्मीर भी इसका अपवाद नहीं है। शिक्षा मंत्रालय (MoE) के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DSEL) के अंतर्गत समग्र विकास हेतु ज्ञान के प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (PARAKH)-NCERT द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में चौंकाने वाले आँकड़े सामने आए हैं, जिसमें दावा किया गया है कि जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में 33 प्रतिशत छात्रों को अन्य छात्रों द्वारा चिढ़ाया जाता है, जबकि 29 प्रतिशत छात्रों को अपने सहपाठियों द्वारा भेदभाव किए जाने के बाद समूह गतिविधियों से बाहर रखा जाता है। यह जानकारी काफी गंभीर है क्योंकि स्कूलों में धमकाना पीड़ितों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है क्योंकि इससे आत्मसम्मान में कमी और अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याएँ पैदा होती हैं जो आगे चलकर व्यक्तित्व विकास के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। चरम मामलों में, ऐसा माहौल प्रभावित व्यक्तियों को अपनी जान लेने पर मजबूर कर सकता है, इसलिए संबंधित पक्षों को इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और स्कूलों में युद्धस्तर पर सुधारात्मक उपाय करने चाहिए क्योंकि ऐसा माहौल लंबे समय तक नहीं रहना चाहिए। यह बताना ज़रूरी है कि नवीनतम सर्वेक्षण में बदमाशी-रोधी उपायों को मज़बूत करने, साथियों के समावेश को बढ़ावा देने और समग्र शिक्षण अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रमुख सुरक्षा नीतियों को लागू करने का सुझाव दिया गया है।

उपरोक्त सर्वेक्षण में उठाए गए मुद्दों को देखते हुए, शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों की यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे बिना किसी अपवाद के सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें क्योंकि उनकी ओर से कोई भी लापरवाही प्रभावित लोगों के व्यक्तित्व को आकार देने में बाधा बन सकती है। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि छात्रों को धमकाने या शारीरिक रूप से धक्का-मुक्की करने की घटनाएँ भी सामने आईं, जबकि एक छोटे समूह ने स्कूल में असुरक्षित महसूस करने की भी बात कही, जो काफ़ी चिंताजनक है और इसलिए सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और इस चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नए दिशानिर्देश और मानक संचालन प्रक्रियाएँ जारी करनी चाहिए क्योंकि स्थिति गंभीर है और इस मामले में लापरवाही के परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं क्योंकि यह देश के भावी राष्ट्र निर्माताओं का मामला है। कुल मिलाकर, संबंधित अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर के स्कूलों को शिक्षा का मंदिर बनाने के लिए तत्काल बदलाव लाने चाहिए, न कि छात्रों को भय और आघात का सामना करने के लिए मजबूर करने वाले स्थान।

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें स्पेस स्टेशनों से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की मिसाइल अटैक वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवजो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के

वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है। इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

– डॉ. रमेश ठाकुर

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (NIPCCD), भारत सरकार!

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभारः प्रभासाक्षी

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन एक बड़ी चुनौती

हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है? इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।'

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभारः प्रभासाक्षी

ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025: अर्जुन एरिगैसी तीसरे स्थान की प्लेऑफ में नाकाम, नाकामुरा से रोमांचक मुकाबले में मिली हार

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को रियाद में आयोजित ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 की शतरंज स्पर्धा के तीसरे स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में अमेरिका के दिग्गज हिकारु नाकामुरा के हाथों 2.5-3.5 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम छठे गेम में जाकर तय हुआ। दोनों ग्रैंडमास्टर्स लंबे समय तक बराबरी पर चल रहे थे, लेकिन निर्णायक गेम में काले मोहरों से खेलते हुए एरिगैसी एंडगेम में चूक गए। समय की कमी में उन्होंने लगातार गलतियां कीं, जिसका फायदा उठाकर नाकामुरा ने जीत दर्ज की और तीसरा स्थान अपने नाम किया। एरिगैसी ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज़ में की थी। उन्होंने पहले गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की और दूसरा गेम ड्रॉ कराया। लेकिन नाकामुरा ने जोरदार वापसी करते हुए तीसरे और चौथे गेम में जीत हासिल कर बढ़त बना ली। हालांकि, पांचवें गेम में एरिगैसी ने जबरदस्त वापसी कर स्कोर 2.5-2.5 से बराबर कर दिया, लेकिन अंतिम गेम में चूक की वजह से वह तीसरा स्थान गंवा बैठे। इस जीत के साथ नाकामुरा को .145,000 की पुरस्कार राशि मिली, जबकि चौथे स्थान पर रहने वाले एरिगैसी को .115,000 मिले।

सीबीएसई क्लस्टर-5 एथलेटिक्स मीट : प्रथम दिन वाराणसी के एथलीटों ने दिखाया दम

प्रयागराज। सीबीएसई क्लस्टर-5 एथलेटिक्स मीट के प्रथम दिन वाराणसी के एथलीटों का दबदबा रहा। 1500 मीटर और 600 मीटर दौड़ की छह स्पर्धाओं में से पांच में वाराणसी के एथलीटों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन रश्मोर इंटरनेशनल स्कूल हबुसा मोड़ सराय इनायत में हुआ। जबकि स्पर्धाएं मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में हुईं। मुख्य अतिथि विद्यालय के संरक्षक राधेश्याम तिवारी ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर मीट का शुभारम्भ किया। निदेशक तनुज तिवारी विशिष्ट अतिथि रहे। मेजबान स्कूल की प्रधानाचार्या सरिता पांडेय ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन और आयोजन सचिव केके दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया। आयोजन समिति में पयवेक्षक विजय राय (मुख्य अधिकारी) के साथ निर्णायक सतेन्द्र सिंह, कुंदन सिंह, सिद्धार्थ, आशीष सिंह, मुकेश, दिलीप सिंह, अनुज त्यागी, अकांत गुप्ता, सुमित यादव, अश्वनी शर्मा, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे। प्रथम दिन सम्पन्न मुकाबलों में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वालों के नाम इस प्रकार हैं।

एपीएस अखनूर ने सीबीएसई क्लस्टर-18 अंडर-14 बॉयज़ फुटबॉल टूर्नामेंट में कांस्य पदक किया अपने नाम

अखनूर। आर्मी पब्लिक स्कूल अखनूर ने ओम प्रकाश बंसल मॉडर्न स्कूल, गोबिंदगढ़ (पंजाब) में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर-18 फुटबॉल टूर्नामेंट (2025-26) में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 (लड़के) वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्षेत्र के 32 प्रसिद्ध स्कूलों ने भाग लिया और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अपने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन किया। एपीएस अखनूर की युवा फुटबॉल टीम ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। पहले मुकाबले में टीम ने नॉरवुड स्कूल, बलाचौर को शानदार तरीके से 3-0 से हराकर अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद टीम ने दोहबा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल को कड़े मुकाबले में 1-0 से पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल फगवाड़ा के खिलाफ एपीएस अखनूर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में टीम का सामना किंग एडवर्ड पब्लिक स्कूल माहिलपुर से हुआ।

क्रिकेटर कनिष्क चौहान को सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन ने किया सम्मनित

सिरसा। सिरसा जैसे छोटे से शहर से उठकर अपनी प्रतिभा और एकाग्रता के माध्यम से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में अपने बेहतर प्रदर्शन के चलते बेस्ट ऑलराउंडर ऑफ द सीरिज रहे कनिष्क चौहान का सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले अभिनंदन किया गया। भारत के इस युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कनिष्क चौहान का सिरसा लौटने पर सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से शाह सतनाम क्रिकेट स्टेडियम में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिलेभर से सैकड़ों युवा क्रिकेटर्स ने अपनी प्रेरणा बने कनिष्क चौहान की झलक पाकर गौरव अनुभव किया। कनिष्क चौहान का अभिनंदन फूलों की बरसात से हुआ, जिसके लिए इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने सभी खिलाडियों, अपने प्रशिक्षकों व विशेष रूप से जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल का आभार जताया। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि बहुत आरंभ में ही उन्होंने अपने सहयोगी प्रशिक्षकों जसकरण सिंह व विजय के साथ इस युवा खिलाड़ी के हुनर पर बारीकी से नजर बनाए रखी और उसे आगे निकलने में वो हरसंभव मौका दिया जो किसी भी खिलाड़ी के लिए अपेक्षित होता है।

ओवल टेस्ट: जो रूट के साथ हुई नोकझोंक पर प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा-उनसे ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी

एजेंसी

लंदन। भारत के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवल टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज़ जो रूट के साथ हुई जुबानी जंग को हल्के-फुल्के मजाक के रूप में बताया है, हालांकि यह भी कहा कि रूट ने जो प्रतिक्रिया दी, उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी। दरअसल आमतौर पर शांत रहने वाले रूट इस बार प्रसिद्ध की एक टिप्पणी पर भड़क उठे और पलटकर तीखी प्रतिक्रिया दी। मैच के दूसरे दिन जब इंग्लैंड की टीम भारत के पहली पारी के 224 रनों के जवाब में 129/2 पर मज़बूत स्थिति में थी, तब रूट बल्लेबाज़ी करने उतरे। इसी दौरान प्रसिद्ध ने ज़ाक क्रॉली को आउट कर भारत को बढ़त दिलाई और उसी ओवर में रूट को भी एक शानदार गेंद पर बीट किया। इसके बाद फॉलोथ्रू में उन्होंने रूट को कुछ कहा। अगली ही गेंद पर रूट ने गली के पास से चौका जड़कर जवाब दिया और उन्होंने भी जुबानी टिप्पणी की। ओवर खत्म होते ही अंपायर कुमार धर्मसेना ने प्रसिद्ध को पास बुलाकर समझाया। मैच के बाद प्रसिद्ध ने कहा, मैंने बस कहा कि 'आप बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे हैं', और फिर बात कुछ और ही बन गई। मुझे नहीं पता कि रूट ने इतनी तीखी प्रतिक्रिया क्यों दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि यह सब एक रणनीति का हिस्सा था – हमने सोचा था कि उन्हें गेम से थोड़ा हटाया जाए, लेकिन मुझे नहीं लगा था कि मेरी दो-चार बातों से वो इतनी प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन जब मैं गेंदबाज़ी का आनंद ले रहा होता हूं, तो थोड़ा बातचीत करना मेरी शैली है। अगर मैं बल्लेबाज़ पर असर डाल पाऊं तो उससे मुझे फायदा होता है। प्रसिद्ध ने रूट के प्रति सम्मान भी जताया – मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वह खेल के दिग्गज हैं। जब दो खिलाड़ी मैदान पर जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हों, तो ऐसा होना स्वाभाविक है। इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कॉथिक ने भी इस घटनाक्रम को ज्यादा तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है प्रसिद्ध ने कुछ कहा होगा, और रूट ने भी प्रतिक्रिया दी। आमतौर पर रूट ऐसी बातों पर मुस्कुरा देते हैं, लेकिन आज उन्होंने अलग रास्ता चुना। यह भी एक तरीका है उस स्थिति से निपटने का। दूसरे दिन के खेल के दौरान मैदान पर दो और हल्के विवाद सामने आए – पहला, जब तेज़ गेंदबाज़ आकाश दीप ने बेन डकेट को आउट करने के बाद उनके कंधे पर हाथ रखा; दूसरा, जब डकेट और साई सुदर्शन के बीच नोकझोंक हुई, जब रिव्यू के बाद भारत के नंबर 3 बल्लेबाज़ आउट करार दिए गए।

पूर्व ब्राज़ीली डिफेंडर डेविड लुइज़ ने फोर्टालेज़ा क्लब छोड़ा

एजेंसी

रियो डी जनेरियो ब्राज़ील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेविड लुइज़ ने ब्राज़ीलियन सेरी-ए क्लब फोर्टालेज़ा से नाता तोड़ लिया है। क्लब के साथ उनका अनुबंध केवल सात महीने ही चला और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त कर दिया गया। 38 वर्षीय डेविड लुइज़ ने अपने साथियों और क्लब स्टाफ से विदाई ली। ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, वह अब साइप्रस के शीर्ष क्लब पाफोस एफसी के साथ तीन साल के अनुबंध के लिए सिद्धांततः सहमत हो गए हैं। लुइज़ ने जनवरी में फोर्टालेज़ा में फ्री ट्रांसफर के ज़रिए शामिल होने के बाद से सभी प्रतियोगिताओं में केवल 16 मैच खेले थे। उनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक था, जिसमें 12 महीने के विस्तार का विकल्प भी शामिल था। डेविड लुइज़ को ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के लिए 57 मैच खेला है। उनके करियर में बेनफिका, चेल्सी, पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल और फ्लेमेंगो जैसे दिग्गज क्लबों के साथ खेलने का अनुभव रहा है।

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025: मैग्नस कार्लसन ने अलीरेजा फिरौजा को हराकर जीता खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। मैग्नस कार्लसन ने रियाद में ईस्पोर्ट्स विश्व कप में शतरंज स्पर्धा के फाइनल में अलीरेजा फिरोजा को हराकर अपने खाते में एक और ट्रॉफी जोड़ ली।कार्लसन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को चार जीत, दो ड्रॉ और एक हार के कुल स्कोर से धूल चटा दी। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने शुरुआती सेट में शानदार प्रदर्शन किया, एक जीत और दो ड्रॉ जीतकर स्कोर 3-1 कर दिया और अपनी बढ़त मज़बूत कर ली। दूसरे सेट में जाने से पहले, फ़िरोज़ा के पलटवार के कारण कार्लसन 50 चालों के बाद अपना रूक ग़लती से खेल बैठे, जिससे फ़िरोज़ा को सीरीज़ की एकमात्र जीत मिली। कार्लसन ने दूसरे गेम में वापसी की और अपने सोचे-समझे खेल से फ़िरोज़ा को कड़ी टक्कर दी। फ़िरोज़ा दबाव में दिख रहे थे, और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में ज़्यादा समय बर्बाद किया। तीसरे गेम में फ़िरोज़ा की एक गलती ने सीरीज़ को 2-1 कर दिया, और कार्लसन मैच पॉइंट पर थे। इसके बाद, फ़िरोज़ा की कमज़ोर शुरुआत का कार्लसन ने फायदा उठाया और अंततः फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर को सिर्फ़ दो सेटों में हरा दिया।

हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़, मणिपुर, यूपी, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा की शानदार जीत

एजेंस

चेन्नई। चेन्नई स्थित मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के पांचवें दिन छत्तीसगढ़ हॉकी, मणिपुर हॉकी, उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी पंजाब और हॉकी हरियाणा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

डिवीजन 'बी' के मुकाबले:

पहले मैच में छत्तीसगढ़ हॉकी ने हॉकी बंगाल को 6-2 से हराया। छत्तीसगढ़ के लिए आदर्श राज सिंह ने (3', 8', 20', 60') चार गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। अमन वर्मा (48फीसदी) और अभिषेक यादव (58फीसदी) ने भी एक-एक गोल किया। वहीं बंगाल की ओर से अभिषेक शॉ (6फीसदी) और हितेन रजक (35फीसदी) ने एक-एक गोल किया, लेकिन टीम हार से नहीं बच सकी। दूसरे मैच में मणिपुर हॉकी ने हॉकी हिमाचल को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से शिकस्त दी। गेटिक निंगोम्बम सिंह (4', 55') और सैखोम निशि सिंह (56', 58') ने दो-दो गोल किए, जबकि मनिमातुम मैबम (37फीसदी) और संजीत सिंह कोंथौजम (41फीसदी) ने भी एक-एक गोल कर जीत सुनिश्चित की।

डिवीजन 'ए' के मुकाबले:

तीसरे मुकाबले में उत्तर प्रदेश हॉकी ने दिल्ली को 10-1 से करारी शिकस्त दी। यूपी की ओर से शाहरुख अली (5', 29', 38', 43') ने चार गोल, रोमित पाल (20', 25') ने दो गोल किए। धनुक करण (23'), सुनील पाल (26'), मोहम्मद दानिश (42') और मोहम्मद आकिब रेनी (60') ने एक-एक गोल दागा। दिल्ली के लिए कप्तान उदय रंधावा (51') ने एकमात्र सांत्वना गोल किया। चौथे मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी महाराष्ट्र को 5-1 से हराया। ओडिशा के लिए आर्मन सोरेन (12', 43', 49') ने हैट्रिक लगाई, जबकि दीपक प्रकाश टोप्पो (17') और संजीत राज लकड़ा (51') ने भी एक-एक गोल किया। महाराष्ट्र की तरफ से रेहान शफी खान (34') ने एक गोल किया। पांचवें मुकाबले में हॉकी पंजाब ने हॉकी कर्नाटक को एकतरफा अंदाज में 10-0 से पराजित किया। पंजाब की ओर से मंदीप सिंह (5', 41') ने दो गोल, जबकि गुरसिमरनप्रीत सिंह (14'), वरिंदर सिंह (17'), अर्शप्रीत सिंह (23'), युवराज सिंह (30'), आकाश दीप (36'), जशनप्रीत सिंह (47'), अनुराग सिंह (55') और विजय कुमार पाल (60') ने एक-एक गोल किया। दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी हरियाणा ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 3-0 से हराया। हरियाणा के कप्तान अंकुर रोर (28', 53', 55') ने हैट्रिक लगाकर टीम को जीत दिलाई।

पुरानी दिल्ली 6 के बल्लेबाज़ उद्धव मोहन का ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम में चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की टीम पुरानी दिल्ली 6 के युवा बल्लेबाज़ उद्धव मोहन को सितंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम में चुना गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने उद्धव को इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी। उद्धव मोहन को इस महीने की शुरुआत में आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग की नीलामी में पुरानी दिल्ली 6 ने 6.60 लाख रुपये में खरीदा था। बीसीसीआई की जूनियर चयन समिति ने बुधवार को 17 सदस्यीय भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा की, जिसमें उद्धव को देश का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष युवा खिलाड़ियों में शामिल किया गया। पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने उद्धव को बधाई देते हुए कहा, 'हम उद्धव पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। भारत अंडर-19 टीम में उनका चयन निश्चित तौर पर उनकी योग्यता का ही नतीजा है। मैं उन्हें इस गौरवशाली पल के लिए बधाई देता हूं, यह पुरानी दिल्ली 6 परिवार के लिए भी गर्व का क्षण है।भारत अंडर-19 टीम 21 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थस ग्राउंड में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय और दो बहु दिवसीय मैच खेलने जा रही है।

दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीज़न की बात करें तो पुरानी दिल्ली 6 पिछले संस्करण में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंची थी।सीज़न 2 के लिए पुरानी दिल्ली 6 ने वंश बेदी को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।पुरानी दिल्ली 6 अपने अभियान की शुरुआत 5 अगस्त को आउटर दिल्ली वॉरियर्स के खिलाफ दोपहर 2:00 बजे शुरू होने वाले मुकाबले के साथ करेगी। इसके बाद टीम का सामना 7 अगस्त को वेस्ट दिल्ली लायंस से दोपहर 2:00 बजे से होगा। 8 अगस्त को टीम शाम 7:00 बजे नई दिल्ली टाइगर्स से भिड़ेगी। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच 27 अगस्त को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ खेला जाएगा।

टीमः वंश बेदी (कप्तान), ऋषभ पंत (मार्की खिलाड़ी), ललित यादव, देव लाकड़ा, आयुष सिंह, समर्थ सेठ, आरुष मल्होत्रा, सार्थक पाल, अग्रिम शर्मा, विवेक यादव, युग गुप्ता, उद्धव मोहन, प्रणव पंत, प्रिंस मिश्रा, रुशल सैनी, आर्यन कपूर, प्रदीप पराशर, एकांश डोबाल, आदित्य मल्होत्रा, रजनीश दादर, आशीष चौरसिया, कुश नागपाल, ध्रुव चौहान, गौरव सरोहा।

रग्बी टूर्नामेंट बिहार की खेल संस्कृति को वैश्विक पटल पर ले जाएगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में बिहार के राजगीर में पहली बार आयोजित होनेवाली 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' के 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि बिहार के खिलाड़ी रग्बी में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बहुत तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह टूर्नामेंट न केवल बिहार की खेल संस्कृति को वैश्विक पटल पर ले जाएगा, बल्कि एशिया के रग्बी जगत में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पहली बार 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन 09 और 10 अगस्त को किया जा रहा है। इसका आयोजन राज्य खेल अकादमी-सह-बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के परिसर में खेल विभाग, बिहार सरकार के द्वारा किया जा रहा है। राजगीर के इस खेल परिसर में राज्य सरकार ने कई प्रकार के खेलों के प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता आयोजन के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभंकर 'अशोक' का नाम सम्राट अशोक से प्रेरित है, जो नेतृत्व, दूरदृष्टि और परिवर्तन का प्रतीक है। यह नाम केवल गौरवशाली इतिहास का स्मरण नहीं दिलाता, बल्कि खेल की उन मूल भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जो अनुशासन, साहस और संकल्प से जुड़ी हैं। अशोक को एक खरगोश के रूप में तेज, सतर्क और फुर्तीला रूपांकित किया गया है। नीतीश कुमार ने कहा कि रग्बी जैसे तेज गति के खेल में यही गुण सबसे अहम होते हैं। खिलाड़ियों की चुस्ती और गति, खेल की रफ्तार और रणनीति की सटीकता का प्रतीक है। अशोक का कवच, शिरस्त्राण और ढाल उसकी तैयारी, आत्मबल और मानसिक दृढ़ता का प्रतीक हैं। हाथ में पकड़ा रग्बी बॉल यह बताता है कि अब उसका युद्ध का मैदान खेल है।

दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित, शार्दुल ठाकुर बने वेस्ट ज़ोन के कप्तान

एजेंसी

मुंबई। दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए वेस्ट ज़ोन की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी, बीकेसी में हुई चयन समिति की बैठक के बाद इस टीम की घोषणा की गई। शार्दुल ठाकुर को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में मुंबई के सात, गुजरात के चार, जबकि महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के दो-दो खिलाड़ी शामिल किए गए। मुंबई के यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज़ खान जैसे बड़े नाम टीम में जगह बनाने में सफल रहे जबकि महाराष्ट्र के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ियों अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को इस बार टीम में शामिल नहीं किया गया है।मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के संजय पाटिल की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सात स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची भी जारी की है, जिनमें महेश पिठिया, शिवालिक शर्मा, मुकेश चौधरी, सिद्धार्थ देसाई, चिंतन गजा, मुशीर खान और उर्विल पटेल शामिल हैं।

दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 28 अगस्त से होगी, जिसमें दो क्वार्टरफाइनल खेले जाएंगे। वेस्ट ज़ोन को सीधे सेमीफाइनल में एंट्री मिली है और टीम 4 सितंबर से अपना अभियान शुरू करेगी। फाइनल मुकाबला 11 सितंबर से खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान में खेले जाएंगे। वेस्ट ज़ोन टीम इस प्रकार है- शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हार्विक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज़ खान, ऋतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मानन हिंगराजिया, सौरभ नवाले, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, धर्मेंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, अर्सन नागवस्वाला।

स्टैंडबाय खिलाड़ीः महेश पिठिया, शिवालिक शर्मा, मुकेश चौधरी, सिद्धार्थ देसाई, चिंतन गजा, मुशीर खान, उर्विल पटेल।

केंद्रीय खेलमंत्री ने फिडे महिला विश्व कप के पदक विजेताओं को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 की पदक विजेताओं दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी का सम्मान किया। जॉर्जिया के बातुमी में हाल ही में संपन्न हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत की इन दो दिग्गजों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने दिव्या देशमुख को भी सम्मानित किया। वह न केवल फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, बल्कि सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी भी बनीं। वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर और चौथी महिला ग्रैंडमास्टर बनी हैं। कोनेरू हम्पी ने वर्चुअली इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। डॉ. मांडविया ने इस मौके पर कहा, आप जैसी ग्रैंडमास्टर्स नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेंगी। अब ज्यादा से ज्यादा युवा खेलों, खासतौर पर मानसिक खेल जैसे शतरंज की ओर आकर्षित होंगे। शतरंज भारत की प्राचीन देन है और आज उसकी पुनर्पुष्टि हो रही है। मुझे विश्वास है कि आप जैसी बेटियां आने वाली पीढ़ियों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। उन्होंने कोनेरू हम्पी की सराहना करते हुए कहा, मैंने हम्पी के बारे में पढ़ा है, और मैं जानता हूं कि उन्होंने कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उनकी यात्रा लंबी और गौरवशाली रही है। मैं खुद अपने बच्चों के साथ बैठकर उनके मैच देखा करता था। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 में 19 वर्षीय दिव्या देशमुख और अनुभवी ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी के बीच ऐतिहासिक ऑल-इंडियन फाइनल खेला गया।

यह पहली बार था जब दो भारतीय महिलाएं इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं। फाइनल के दो क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद, टाईब्रेकर में दिव्या ने हम्पी को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने जू जिनर, हरिका द्रोणावल्ली और तान झोंगयी जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर अपनी पहली ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल की। सम्मान समारोह के दौरान दिव्या ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि खिताब भारत आया। हम्पी ने बेहतरीन खेल दिखाया लेकिन मैं खुश हूं कि मैं जीत पाई। सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि कोई भी जीते, ट्रॉफी भारत में ही रहने वाली थी। आज माननीय मंत्री जी द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 का कार्यक्रम घोषित, 22 सितंबर को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) ने 15 से 27 सितंबर तक श्रीलंका के कोलंबो में होने वाली अंडर-17 सैफ चैम्पियनशिप के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के 10वें संस्करण में सात देशों को दो समूहों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें भारत और पाकिस्तान एक ही समूह में होंगे।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप ग्रुप: ग्रुप A: बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका।

ग्रुप B: भारत, पाकिस्तान, मालदीव, भूटान।

प्रत्येक ग्रुप की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी, जबकि प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप चरण के बाद के सभी मैच सिंगल-लेग एलिमिनेटर होंगे, जिनमें अतिरिक्त समय और निर्धारित समय के बाद ड्रॉ होने की स्थिति में पेनल्टी शूटआउट का प्रावधान होगा। मेज़बान श्रीलंका पहला मैच नेपाल के खिलाफ खेलेगा और टूर्नामेंट के सभी मैच रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएँगे।

19 सितंबर - दोपहर 3:00 बजे - पाकिस्तान बनाम मालदीव - ग्रुप बी

19 सितंबर - शाम 7:30 बजे - भूटान बनाम भारत - ग्रुप बी।

तीन दिन में निपटा मुकाबला : सैंटनर की घातक गेंदबाज़ी से न्यूज़ीलैंड ने ज़िम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया

एजेंसी

बुलावायो। मैट हेनरी, विलियम ओ'रूर्क और मिशेल सैंटनर की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने ज़िम्बाब्वे को पहले टेस्ट के तीसरे दिन ही 9 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली है। सैंटनर ने दूसरी पारी में 4 विकेट चटकाए, जबकि हेनरी और ओ'रूर्क को तीन-तीन सफलता मिली। ज़िम्बाब्वे की दूसरी पारी 165 पर सिमटी, जिससे न्यूज़ीलैंड को जीत के लिए सिर्फ 8 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 2.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

दिन की शुरुआत ज़िम्बाब्वे ने 31/2 से की, लेकिन जल्द ही निक वेल्च और विंसेंट मासेकेसा पवेलियन लौट गए। ओ'रूर्क ने वेल्च को विकेट के पीछे कैच कराया, फिर एक तेज़ बाउंसर पर मासेकेसा को शॉर्ट लेग पर कैच आउट कराया।

इसके बाद अनुभवी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एरविन ने पारी को संभालते हुए नौ चौकों की मदद से अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन लंच से पहले दोनों सेट बल्लेबाज़ जल्दी-जल्दी आउट हो गए। विलियम्स 49 रन पर सैंटनर की गेंद पर लेग साइड में कैच हुए, जबकि हेनरी की बाहर जाती गेंद पर एरविन आउट हो गए। लंच तक ज़िम्बाब्वे का स्कोर 114/6 था। दूसरे सत्र में हेनरी की गेंद पर सिकंदर रज़ा पुल शॉट खेलते हुए कैच दे बैठे। फिर सैंटनर ने न्यामुरी को बोल्ड किया और ज़िम्बाब्वे 126/8 पर पहुंच गया। इसके बाद त्सीगा और मुज़राबानी ने संघर्षपूर्ण साझेदारी की और कुछ मौकों पर न्यूज़ीलैंड ने कैच टपकाकर उन्हें राहत दी। लेकिन सैंटनर ने पहले मुज़राबानी (19) और फिर त्सीगा (27) को आउट कर चार विकेट पूरे किए। टी ब्रेक तक ज़िम्बाब्वे की पारी सिमट चुकी थी और न्यूज़ीलैंड को जीत के लिए केवल 8 रन चाहिए थे। हालांकि डेवोन कॉनवे (88) एक चौका लगाने के बाद न्यामुरी की गेंद पर बोल्ड हो गए, लेकिन हेनरी निकोल्स (4*) ने चौका जड़कर टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर:

ज़िम्बाब्वे: 149 (क्रेग एरविन 39, तफ़ाद्ज़वा त्सीगा 30; मैट हेनरी 6/39, नाथन स्मिथ 3/20) और 165 (सीन विलियम्स 49; मिशेल सैंटनर 4/27, विलियम ओ'रूर्क 3/28, मैट हेनरी 3/51)।

न्यूज़ीलैंडः 307 (डेवोन कॉनवे 88, डेरिल मिचेल 80; ब्लेसिंग मुज़राबानी 3/73) और 8/1 (हेनरी निकोल्स 4*)।

फिच ने भारत के जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की अर्थव्यस्था को लेकर फिच रेटिंग्स ने नया अनुमान जारी किया है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।फिच रेटिंग्स ने जारी इंडिया कॉरपोरेट्स क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहेगी। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ का भारतीय कंपनियों पर सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई देता है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचागत खर्च से सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण (ईएंडसी) कंपनियों की मांग में मजबूती आएगी। फिच ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के बारे में कहा कि उसे उम्मीद है कि उच्च अमेरिकी टैरिफ से उसके द्वारा रेटिंग प्राप्त भारतीय कंपनियों पर सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अमेरिकी निर्यात जोखिम सामान्यतः कम से मध्यम स्तर का है। उल्लेखनीय है रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

मारुति सुजुकी की जुलाई में बिक्री तीन फीसदी बढ़ी, कुल 1,80,526 कारें बिकीं

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की जुलाई में कुल बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,80,526 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल इसी अवधि में कुल 1,75,041 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने जारी एक बयान में बताया कि जुलाई में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर मामूली वृद्धि के साथ 1,37,463 इकाई रही है। कंपनी ने कहा कि पिछले जुलाई में उसका निर्यात 31,745 इकाई रहा, जबकि जुलाई 2024 में यह 23,985 इकाई थी। एमएसआई ने कहा कि ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों के खंड में बिक्री जुलाई में घटकर 6,822 इकाई रह गई, जबकि जुलाई 2024 में यह 9,960 इकाई रही थी। वहीं, बलेनो, डिजायर, इग्निस और स्विफ्ट जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री सालाना आधार पर 58,682 इकाइयों से बढ़कर 65,667 इकाई हो गई। कंपनी ने बताया कि ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, अर्टिगा और एक्सएल6 जैसी यूटिलिटी वाहनों की बिक्री जुलाई महीने 52,773 इकाई रही, जबकि जुलाई 2024 में यह 56,302 इकाई रही थी। वैन ईको की बिक्री पिछले जूलाई में 12,341 इकाई रही, जबकि जुलाई 2024 में यह 11,916 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,794 इकाई रही, जो पिछले साल जुलाई में 2,891 इकाई थी।

वाणिज्यिक खनन के लिए 12वें दौर में सात कोयला ब्लॉकों की हुई नीलामी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉक नीलामी के 12वें दौर में 28 जुलाई से 31 जुलाई तक कुल सात कोयला ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें तीन पूरी तरह से अन्वेषित और चार आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉक शामिल हैं। इन कोयला ब्लॉकों में करीब 1,761.49 मिलियन टन का संयुक्त भूवैज्ञानिक भंडार है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉक नीलामी का 12वां दौर शुरू 27 मार्च को किया गया। इसके बाद 28 जुलाई से 31 जुलाई तक तीन पूर्णतः अन्वेषित और चार आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉकों की नीलामी की गई है। इन सात कोयला ब्लॉकों में लगभग 1,761.49 मिलियन टन का संयुक्त भूवैज्ञानिक भंडार है। पूर्णतः अन्वेषित कोल ब्लॉकों की संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 5.25 एमटीपीए है। इन कोयला ब्लॉकों की नीलामियों में औसतन 26.70 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी हासिल हुई। मंत्रालय ने कहा कि इन ब्लॉकों से लगभग 719.90 करोड़ रुपये (आंशिक रूप से खोजे गए ब्लॉकों को छोड़कर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। इसके अलावा लगभग 787.50 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने और 7,098 रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

इफको ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। सहकारी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। इफको के मौजूदा प्रबंध निदेशक डॉक्टर उदय शंकर अवस्थी 40 साल की सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। इफको ने एक बयान में कहा कि इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी को 29 जुलाई को बोर्ड ने नए एमडी का नाम तय करने के लिए अधिकृत किया था। उन्होंने केजे पटेल को नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उर्वरक क्षेत्र में 32 साल से अधिक की विशेषज्ञता के साथ पटेल इफको को नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता और किसानों एवं सहकारी समितियों के लिए बेहतर मूल्य सृजन की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।

स्टॉक मार्केट में पटेल केम की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल एक्सीपीएंट्स और स्पेशियलिटी केमिकल्स बनाने वाली कंपनी पटेल केम स्पेशियलिटीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 84 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे।आज बीएएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 31 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 110 रुपये के स्तर पर हुई। इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के बाद पटेल केम स्पेशियलिटीज के शेयर फिसल कर 104.50 रुपये के लोअर सर्किट

लेवल तक पहुंच गए और उसी स्तर पर बंद हुए। लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में 24.40 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। पटेल केम स्पेशियलिटीज लिमिटेड का 59 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 167 गुना सब्सक्राइब हुआ था। ये पूरा आईपीओ फ्रेश शेयरों का था। इसके तहत कुल 70 लाख शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पटेल केम स्पेशियलिटीज लिमिटेड की ये लिस्टिंग ग्रे मार्केट की उम्मीदों के मुताबिक ही रही। ग्रे मार्केट के आंकड़ों के अनुसार लिस्टिंग से पहले कंपनी के शेयर अनलिस्टेड मार्केट में करीब 111 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे, जो इसके आईपीओ प्राइस से करीब 32 प्रतिशत अधिक था।आईपीओ लॉन्च होने से एक दिन पहले कंपनी ने 8 एंकर निवेशकों से 16.69 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके तहत एंकर निवेशकों को 19.87 लाख शेयर आवंटित किए गए। इन एंकर निवेशकों में बंगाल फाइनेंस, मेरु इनवेस्टमेंट फंड, जील ग्लोबल ऑपर्च्यूनिटीज फंड, नेक्टा ब्लूम और बेलग्रेव इनवेस्टमेंट फंड शामिल हैं।

श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी का आईपीओ 69.13 गुना सब्सक्राइब हुआ

एजेंसी

मुंबई। श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों का मजबूत रिस्पांस मिला है। रियल एस्टेट कंपनी के निर्गम को बोली के अंतिम दिन 69.13 गुना सब्सक्राइब किया गया है। आईपीओ का साइज 792 करोड़ रुपये है।इस इश्यू को 140-150 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड पर प्रस्तावित 3,96,58,730 शेयरों के मुकाबले 2,74,16,88,500 शेयरों की बोलियां प्राप्त हुई है। कंपनी का स्टॉक बॉम्बे स्टॉक एक्चेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 6 अगस्त को लिस्ट होंगे, जबकि शेयरों का अलॉटमेंट 4 अगस्त को होगा।

2,000 रुपये के कुल 6,017 करोड़ रुपये मूल्य का नोट अब भी चलन में : आरबीआई

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 2,000 रुपये के नोट को चलन से हटाये जाने के दो साल से भी ज?यादा समय के बावजूद 6,017 करोड़ रुपये मूल्य का ये नोट अब भी चलन में है। दो हजार रुपये का यह बैंक नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं। आरबीआई ने जारी एक आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर कुल 3.56 लाख करोड़ रुपये था। ये नोट 31 जुलाई, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर अब 6,017 करोड़ रुपये रह गया है। आरबीआई के मुताबिक इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपये के बैंक नोटों का 98.31 फीसदी बैंकों में वापस आ चुका है। दो हजार रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से रिजर्व बैंक के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक

खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से लोग 2,000 रुपये के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को भेज रहे हैं। रिजर्व बैंक ने कहा है कि दो हजार रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के ये निर्गम कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब डॉलर हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में तीन हफ्ते बाद इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 2.703 अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 25 जुलाई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.703 अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.183 अरब डॉलर घटकर 695.489 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक 25 जुलाई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.316 अरब डॉलर बढ़कर 588.926 अरब डॉलर हो गया। स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.206 करोड़ डॉलर बढ़कर 85.704 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.6 अरब डॉलर बढ़कर 18.809 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.753 अरब डॉलर पर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

जुलाई महीने में बिकवाल की भूमिका में बने रहे विदेशी निवेशक, एक महीने में की 47,666 करोड़ से अधिक की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। जुलाई का महीना घरेलू शेयर बाजार के लिए लगातार गिरावट वाला महीना बना रहा। इस महीने सेंसेक्स में 2,400 अंक से अधिक और निफ्टी में करीब 750 अंक की गिरावट आ गई। इसी तरह बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भी 11.44 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। फरवरी 2025 के बाद मार्केट कैपिटलाइजेशन में किसी एक महीने के दौरान आई ये सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट के लिए विदेशी निवेशकों की स्टॉक मार्केट में की गई बिकवाली को प्रमुख कारण माना जा रहा है। जुलाई महीने में विदेशी निवेशकों ने 47,600 करोड़ रुपये से भी अधिक की बिकवाली की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई के महीने में विदेशी निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में कुल ,84,138.54 करोड रुपये की खरीदारी की। वहीं इस अवधि में उन्होंने 3,31,805.22 करोड़ रुपये

की बिकवाली की। इस तरह पूरे महीने के दौरान उन्होंने लिवाली की तुलना में 47,666.68 करोड़ रुपये ज्यादा के शेयर स्टॉक मार्केट में बेच डाले। इसके पहले के 4 महीनों के दौरान विदेशी निवेशक बिकवाली की तुलना में लिवाली ज्यादा कर रहे थे। मार्च में विदेशी निवेशकों ने लिवाली और बिकवाली के आंकड़ों को मिला कर 2,014.18 करोड़ की लिवाली की थी। इसी तरह अप्रैल में 2,735.02 करोड़, मई में 11,773.25 करोड़ और जून में 7,488.28 करोड़ रुपये की विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लिवाली की थी।विदेशी निवेशकों द्वारा जुलाई में की गई भारी भरकम बिकवाली के कारण शेयर बाजार पर जबरदस्त दबाव बन गया। इस दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में जुलाई के महीने मे करीब 3.50 प्रतिशत की कमजोरी आ गई। इसका एक नुकसान ये भी हुआ कि जुलाई में भारतीय शेयर बाजार दुनिया के टॉप 10 स्टॉक मार्केट्स में से सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला स्टॉक मार्केट बन गया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि जुलाई में घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट के लिए विदेशी निवेशकों की बिकवाली तो एक प्रमुख कारण है ही, इसके साथ ही जून में खत्म हुई पहली तिमाही के दौरान कंपनियों के कमजोर नतीजों ने भी निवेशकों को निराश करने का काम किया।

विमान ईंधन की कीमत में तीन फीसदी की वृद्धि, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार दूसरे महीने तीन फीसदी की बढ़ोतरी की है। तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय मानक दरों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप यह कदम उठाया है। नई दरें लागू हो गई है। राजधानी नई दिल्ली स्थित देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2,677.88 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 2.9 फीसदी बढ़कर 92,021.93 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। ये बढ़ोतरी पिछले महीने 7.5 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के बाद हुई है, जिससे एयरलाइंस की परिचालन लागत बढ़ गई थी। आर्थिक राजधानी मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 86,077.14 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत बढ़कर क्रमशः 95,512.26 रुपये और 95,164.90 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। विमान ईंधन की कीमत में यह वृद्धि वैश्विक तनाव और व्यापार युद्धों के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में आई तेजी की वजह से हुई है। एटीएफ की कीमत में वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइंस कंपनियों पर बोझ बढ़ेगा, जिनकी परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 फीसदी होता है। हालांकि, मूल्य वृद्धि के प्रभाव पर विमानन कंपनियों से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पायी है।

स्टॉक मार्केट में ब्रिगेड होटल वेंचर्स की कमजोर शुरुआत, आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत से ज्यादा का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग शहरों में होटल बनाने वाली रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी ब्रिगेड होटल वेंचर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 82 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 81.10 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 9 प्रतिशत का नुकसान हो गया। हालांकि, लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 87.80 रुपये के स्तर तक भी पहुंचे। पूरे दिन के कारोबार के बाद ब्रिगेड होटल वेंचर्स के शेयर 85.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.11 प्रतिशत का नुकसान हो गया है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स का 759.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.76 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.03 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.83 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 8.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, प्रमोटर कंपनी बीईएल से जमीन खरीदने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.09 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी मुनाफे में आ गई। इस साल कंपनी को 13.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जबकि 2024-25 में शुद्ध लाभ उछल कर 23.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 14 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 470.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

जुलाई में जीएसटी संग्रह 7.5 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा। सालाना आधार पर इसमें 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जुलाई 2024 में 1.82 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ था। जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.5 फीसदी की वृद्धि है। इस साल जून के मुकाबले जुलाई का जीएसटी संग्रह 11 हजार करोड़ रुपये बढ़ा है। पिछले महीने जून में 1.84 लाख करोड़ रुपये जीएसटी वसूला गया था। जुलाई के जीएसटी संग्रह में एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) से 99,250 करोड़ रुपये, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 33,450 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 41,600

करोड़ रुपये और उपकर से 21,700 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस दौरान रिफंड 66.8 फीसदी बढ़कर 27,147 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पहले 16,275 करोड़ रुपये था। जीएसटी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार आयात से प्राप्त आईजीएसटी में 10.3 फीसदी की वृद्धि हुई, जो मजबूत सीमा-पार व्यापार को दर्शाता है। घरेलू रिफंड में 117.6 फीसदी की वृद्धि हुई तथा निर्यात-संबंधी रिफंड में 20 फीसदी की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा निरंतर आर्थिक गतिविधि और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर अनुपालन को दर्शाता है। उल?लेखनीय है कि लगातार सातवें महीने जीएसटी संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा है, लेकिन यह वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में प्राप्त 2.1 लाख करोड़ रुपये के औसत से कम था। अप्रैल में सकल जीएसटी राजस?व संग्रह 2.37 लाख करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पिछले महीने जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। देश में 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया गया था।

उतार-चढ़ाव के बाद डॉलर के मुकाबले 7 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। बड़ी गिरावट के बाद आज डॉलर की तुलना में रुपया मजबूती हासिल करने में सफल रहा। मुद्रा बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 7 पैसे की मजबूती के साथ 87.54 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 87.61 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी सांकेतिक मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की मामूली तेजी के साथ 87.59 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद ही बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया 40 पैसे की मजबूती के साथ 87.21 के स्तर तक पहुंच गया। सुबह 10:30 बजे के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की चौतरफा बिकवाली शुरू करने से मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ गई। इस कारण भारतीय मुद्रा ने ऊपरी स्तर से 33 पैसे लुढ़क कर 87.54 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में राहत की बात ये रही कि डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी भारतीय मुद्रा ने मजबूत प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 78 पैसे की तेजी के साथ 115.10 के स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिकी टैरिफ के टेंशन में टूटा शेयर बाजार, गिरकर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के तमाम देशों पर थोपे गए अमेरिकी टैरिफ से घरेलू शेयर बाजार में लगातार तनाव का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी रिकवर करके लाल निशान में भी पहुंचे, लेकिन इसके बाद टैरिफ के टेंशन में शुरू हुई बिकवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल लगातार गिरती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल, डिफेंस, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 444.51 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,169 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,313 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,703 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,667 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 632 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,035 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 111.17 अंक की कमजोरी के साथ 81,074.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से सुबह 10:30 बजे के करीब सेंसेक्स 131.93 अंक की मजबूती के साथ 81,317.51 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 720 अंक से अधिक टूट कर 690.01 अंक की कमजोरी के साथ 80,495.57 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 585.67 अंक की गिरावट के साथ 80,599.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.45 अंक लुढ़क कर 24,734.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा।

न्यूयार्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश के कारण आपात स्थिति की घोषणा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी प्रांत में भारी बारिश से सड़क परिवहन और हवाई यात्रा के बाधित होने के बाद बाढ़ की चेतावनी वाले क्षेत्रों में 'आपातकाल' की स्थिति घोषित कर दी गयी है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के मुताबिक वाशिंगटन-फिलाडेल्फिया-न्यूयॉर्क सिटी कॉरिडोर पर भारी बारिश और भीषण तूफान आने के आसार है। क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से के कुछ इलाकों में 5.08 सेमी प्रति घंटे से बारिश हो सकती है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक बयान में कहा, 'मैं सभी न्यूयॉर्कवासियों से सतर्क रहने, जानकारी रखने और सावधानी बरतने का आग्रह करती हूँ क्योंकि हमें अत्यधिक बारिश के कारण अचानक आने वाली बाढ़ आने की आशंका है।' न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स और अन्य स्थानीय अधिकारियों ने भी लोगों से सड़कों से दूर रहने और बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वालों से ऊँचे स्थानों पर जाने का आग्रह किया। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार गुरुवार शाम आए भारी तूफ़ान के कारण हवाई यात्रा बाधित रही और न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और वाशिंगटन डी.सी. क्षेत्र के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर उड़ानें रोक दी गईं।

इजरायल ने यूएई से राजनयिकों की आंशिक निकासी का दिया आदेश

तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अधिकांश राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालने का आदेश दिया है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के खाड़ी में रहने वाले इजरायलियों के लिए यात्रा चेतावनी के बाद लिया गया है। समचार पोर्टल 'वाइनेट' ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली एनएससी द्वारा यूएई की यात्रा के खिलाफ प्रकाशित एक चेतावनी के बाद आंशिक निकासी का यह आदेश सामने आया है। एनएससी ने खुफिया जानकारी का हवाले से कहा कि ईरान, हमास, हिजबुल्लाह और वैश्विक जेहादी गुटों समेत आतंकवादी समूहों ने यूएई में इजरायली और यहूदी लोगों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके अलावा इजरायली राजदूत की एक 'हरकत' को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यूएई ने राजदूत को लेकर तेल अवीव से नाराजगी जताते हुए वापस बुलाने की मांग की थी। इजरायल की एनएससी ने एक बयान में कहा, हम इस यात्रा चेतावनी पर ज़ोर दे रहे हैं क्योंकि हमें पता है कि आतंकवादी संगठन (ईरानी, हमास, हिज़्बुल्लाह और ग्लोबल जिहाद) इज़रायल को नुकसान पहुँचाने की अपनी कोशिशें बढ़ा रहे हैं।

इंडोनेशिया ने आपराधिक संहिता में संशोधन किए तेज

जकार्ता। इंडोनेशिया में नागरिक अधिकारों के विरोध के बीच आपराधिक प्रक्रिया संहिता में संशोधन तेज कर दिए गए हैं। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिज्म (आएफजे) की ओर जारी विज्ञप्ति के मुताबिक इंडोनेशियाई प्रतिनिधि सभा ने जुलाई 2025 में दो दिनों में देश के आपराधिक प्रक्रिया संहिता (कुहैप) विधेयक में 1,676 प्रस्तावित संशोधनों पर बहस की। इसका मसौदा कानून प्रवर्तन को व्यापक नई शक्तियां प्रदान करता है जबकि गिरफ्तारी और जांच की निगरानी को कम करता है।आईएफजे से संबद्ध अलियांसी जुर्नलिस इंडिपेंडेंस (एजेआई), एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडोनेशिया, इंडोनेशियाई लीगल एड फाउंडेशन (वाईएलबीएचआई), विक्टिम्स ऑफ वायलेंस (कोंट्राएस) और इंस्टीट्यूट फॉर क्रिमिनल जस्टिस रिफॉर्म (आईसीजेआर) सहित नागरिक समाज समूहों ने चेतावनी दी है कि यह बिल पीड़ितों के अधिकारों को कमजोर करता है कानूनी सलाहकार तक पहुंच को प्रतिबंधित करता है तथा उचित प्रक्रिया सुरक्षा को खत्म करता है। बिल के तहत सबसे चिंताजनक प्रावधानों में कहा गया है कि यह कुछ परिस्थितियों में अनिश्चितकालीन हिरासत की अनुमति देता है। प्रस्तावित विधेयक राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के प्रशासन में नागरिक स्वतंत्रता के व्यापक हनन के बीच आया है।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे को 12 साल की नज़रबंदी की सजा

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे (73) को प्रक्रियात्मक धोखाधड़ी और गवाहों को रिश्वत देने का दोषी पाए जाने के बाद 12 साल की नज़रबंदी की सजा सुनाई गई है।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार बचाव पक्ष के वकील ने पहले घोषणा की थी कि वे अपील दायर करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया था। बोगोटा के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया ने पूर्व राष्ट्रपति को इन अपराधों का दोषी पाए जाने के चार दिन बाद सज़ा की घोषणा की। न्यायाधीश हेरेडिया ने एक अभियोजक को कथित तौर पर रिश्वत देने के एक अन्य आरोप से उरीबे को बरी कर दिया था। उरीबे 2002 से 2010 तक कोलंबिया के राष्ट्रपति रहे थे। उरीबे देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है।मामले में पूर्व राष्ट्रपति ने 2012 में सत्तारूढ़ हिस्टोरिक पैक्ट के सीनेटर इवान सेपेडा के उन पर एक अर्धसैनिक समूह से संबंध रखने का आरोप लगाया था। सेपेडा ने इन आरोपों से इनकार किया है। कोलंबियाई सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में कथित गवाहों से छेड़छाड़ के लिए उरीबे के खिलाफ जाँच शुरू करने का फैसला किया। कोलंबियाई अभियोजक कार्यालय ने मई 2024 में औपचारिक रूप से उरीबे पर तीन अपराधों प्रक्रियात्मक धोखाधड़ी, आपराधिक कार्यवाही में रिश्वतखोरी और रिश्वतखोरी का आरोप लगाया।

ट्रेड डील के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच अच्छे संबंध : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच रिश्ते बेहद अच्छे हो गए हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए नए व्यापार समझौते के बीच ट्रंप का ये बयान सामने आया है। यह समझौता कई महीनों से चल रही टैरिफ वार्ताओं के बाद हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह टिप्पणी एक पत्रकार के सवाल के जवाब में की। पत्रकार ने उनसे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ होने वाली बैठक के बारे में पूछा था। ट्रंप ने कहा कि यह बैठक दो हफ्तों के भीतर व्हाइट हाउस में होगी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, हमारा दक्षिण कोरिया के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है। ट्रंप ने इस व्यापार समझौते की घोषणा की। इसके तहत अमेरिका ने कोरिया पर लगाए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को 25 प्रतिशत से

घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इसके बदले में दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में निवेश करने और कुछ अन्य वादे किए हैं।ट्रंप ने यह भी दोहराया कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति दो हफ्तों के अंदर व्हाइट हाउस आएंगे। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने भी कहा कि इस बैठक के लिए तारीख तय करने पर बातचीत चल रही है। इस बीच, दक्षिण कोरियाई सरकार ने साफ किया है कि इस व्यापार समझौते में राइस मार्केट को लेकर कोई नया प्रावधान नहीं है। वित्त, उद्योग और कृषि मंत्रालयों ने प्रेस रिलीज में कहा, कोरिया-अमेरिका व्यापार समझौता चावल से जुड़ा नहीं है। हुए इस समझौते के अनुसार, अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के लिए शुल्क दर 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दी है। इसके बदले में दक्षिण कोरिया ने वादा किया है कि वह आने वाले चार वर्षों में अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 100 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद (जैसे एलएनजी) खरीदेगा। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका ने दक्षिण कोरिया पर यह दबाव डाला था कि वह अपने चावल और बीफ बाजार के द्वार उनके लिए खोले, खासकर 30 महीने से अधिक उम्र की गायों से बने अमेरिकी बीफ उत्पादों पर लगे प्रतिबंध को हटाने की बात की गई थी।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

एजेंसी

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरन जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है।

जापान में लगातार तीसरे साल जुलाई रहा सबसे गर्म महीना

एजेंसी

टोक्यो । जापान में लगातार तीसरे साल जुलाई का महीना सबसे गर्म रहा। मौसम एजेंसी के अनुसार, इस बार तापमान सामान्य से 2.89 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि जुलाई में देश भर का औसत तापमान 1898 से अब तक का सबसे अधिक रहा, जो 2024 के पिछले रिकॉर्ड से 2.16 डिग्री सेल्सियस अधिक था। मौसम अधिकारियों ने बताया कि इस साल का तापमान सामान्य से बहुत ज्यादा था और देश में असामान्य रूप से उच्च तापमान का सामना करना पड़ा। 30 जुलाई को जापान के ह्योगो प्रान्त के ताम्बा शहर में तापमान 41.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, 24 जुलाई को उत्तरी प्रान्त होक्काइडो के कुछ हिस्सों में तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इस बीच, जेएमए ने कहा कि

जुलाई में तोहोकू क्षेत्र के जापान सागर की ओर और मध्य होकुरिकु क्षेत्र में बारिश की मात्रा 1946 से रिकॉर्ड शुरू होने के बाद सबसे कम रही। इससे पहले, 25 जुलाई को जेएमए ने कहा था कि जापान में भीषण गर्मी जारी रहेगी और देश के कई हिस्सों में हीटस्ट्रोक की चेतावनी जारी की गई थी। गर्मी इतनी खतरनाक थी कि यह जानलेवा हो सकती थी। यह गर्मी जापान को कवर करने वाले उच्च दबाव के सिस्टम के कारण थी। हीटस्ट्रोक की चेतावनी होक्काइडो, तोचिगी, गुनमा, सैतामा, हिरोशिमा, नागासाकी और टोक्यो सहित देश के कई हिस्सों में जारी की गई थी। होक्काइडो में रिकॉर्ड उच्च तापमान दर्ज किया गया था। मौसम अधिकारियों ने लोगों से हीटस्ट्रोक से बचने के लिए पर्याप्त उपाय करने की सलाह दी थी।

नेपाल ने अपने दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भारत से नए एयर रूट देने की मांग की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल ने भारत से अपने दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए नए एयर रूट की मांग को फिर से आगे बढ़ाया है। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई से उड़ान संचालन के लिए एयर रूट देने की मांग की है। जापान में नागरिक उड्डयन महानिदेशकों (डी.जी.सी.ए.) के 60वें सम्मेलन के दौरान नेपाल के डी.जी.सी.ए. प्रदीप अधिकारी और भारत के डी.जी.सी. ए. फैज अहमद किदवई के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। इस वार्ता में दोनों देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में नेपाल के दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए हवाई मार्ग समन्वय और संचालन के लिए भारत से सहयोग का आग्रह किया गया है। नेपाल के डीजीसीए प्रदीप अधिकारी ने बताया कि अपने भारतीय समकक्ष के साथ नए एयर रूट के अलावा भारत के विभिन्न शहरों से पोखरा और लुंबिनी के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। नेपाल के तमाम सरकारी प्रयास के बावजूद निर्माण के पांच वर्षों के बाद भी इनका नियमित संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इन दोनों विमान स्थलों का निर्माण चीन ने किया है। पोखरा हवाई अड्डे का निर्माण चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ऋण लेकर हुआ है, जबकि भैरहवा हवाई अड्डे का निर्माण एशियाई विकास बैंक के ऋण पर चीनी कंपनी ने किया है। नेपाल को उम्मीद थी कि ये उपाय नव निर्मित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की ओर वाहकों को आकर्षित करेंगे और काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ को कम करेंगे। हालांकि, विमानन अधिकारी स्वीकार करते हैं कि चल रहे ऑफ-सीजन और सीमित प्रत्यक्ष हवाई मार्गों ने विदेशी एयरलाइनों को नियमित सेवाएं शुरू करने से हतोत्साहित किया है। भैरहवा और पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे दोनों का निर्माण अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को विकेंद्रीकृत करने और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन अपने उद्घाटन के बाद से उन्होंने निरंतर अंतरराष्ट्रीय संचालन को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अभूतपूर्व उपयोग करते हुए अमेरिका के व्यापारिक साझेदार देशों पर व्यापक टैरिफ लगाने के अधिकार पर तीखे सवाल उठाए। कई न्यायाधीशों ने तो बार-बार इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि ट्रंप 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईपा) कानून का उपयोग करके टैरिफ को कैसे उचित ठहरा सकते हैं? अमेरिका ऑनलाइन अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार, न्यायाधीश जिम्मी रेयना ने कहा, मेरी एक बड़ी चिंता यह है कि आईपी में टैरिफ शब्द का कहीं भी जिक्र तक नहीं है।

7 साल के बच्चे पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का केस दर्ज, मानवाधिकार संगठन ने की निंदा

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में सात साल के बच्चे पर आतंकवाद का केस दर्ज किए जाने की निंदा की है। उसने इस कदम को 'मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन' और देश में आतंकवाद विरोधी कानूनों का दुरुपयोग बताया है। 'एचआरसीपी' की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बलूचिस्तान के तुर्बत में एक 7 साल के नाबालिग बच्चे पर आतंकवाद की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करना बेहद निंदनीय और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह कदम न केवल कानून की भावना के विपरीत है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का भी घोर उल्लंघन है।'बयान में आगे कहा गया, 'यह घटना तब हुई जब एक मासूम बच्चे

ने यूट्यूब पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें मानवाधिकार कार्यकर्ता गुलजार दोस्त का एक भाषण शामिल था। महज एक वीडियो शेयर करने को आतंकवाद करार देना, राज्य की शक्ति के असंतुलित इस्तेमाल का एक उदाहरण है।' मानवाधिकार संस्था ने इस एफआईआर को तत्काल रद्द करने, बच्चे और उसके परिवार को उत्पीड़न से बचाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बाल अधिकारों पर प्रशिक्षण देने की मांग की। इसके साथ ही बच्चों से जुड़े मामलों में बाल संरक्षण कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। एचआरसीपी ने बलूचिस्तान सरकार, मानवाधिकार मंत्रालय, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश और पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग से तत्काल संज्ञान लेने की अपील की। एचआरसीपी ने देश के एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) में पिछले एक साल से आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत चल रहे नाबालिग बच्चों के खिलाफ चल रहे मुकदमे पर गहरी चिंता व्यक्त की। मानवाधिकार संस्था ने बच्चों की सूची जारी करते हुए अपील की है कि नाबालिग आरोपियों पर एंटी-टेररिज्म कोर्ट में चल रही सुनवाई को तुरंत रोका जाए और मामला जुवेनाइल कोर्ट में स्थानांतरित किया जाए।

अमेरिका से ट्रेड डील पर मैक्रों का सख्त रुख

एजेंसी

न्यूयॉर्क/गाजा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के साथ हुई हालिया व्यापार वार्ता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ को इन चर्चाओं में उतना डर नहीं लगा जितना लगना चाहिए था। उन्होंने यह भी साफ किया कि आगे की बातचीत में यूरोप को अधिक सख्ती दिखानी होगी और फ्रांस इस दिशा में मजबूती से खड़ा रहेगा। कैबिनेट बैठक में मैक्रों ने कहा कि यह मुद्दा अभी खत्म नहीं हुआ है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्रों ने बैठक में दो टूक कहा कि स्वतंत्र होने के लिए पहले शक्तिशाली और भयभीत करने वाला होना पड़ता है। उन्होंने स्वीकार किया कि अमेरिका के साथ हुई व्यापारिक बातचीत के दौरान ईयू को पर्याप्त गंभीरता और ताकत के साथ पेश नहीं किया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच हुई वार्ता के बाद यह करार हुआ। समझौते के अनुसार, अब यूरोपीय संघ के अधिकांश निर्यात पर अमेरिका में 15 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। यह दर ट्रंप-पूर्व स्तर से अधिक है, लेकिन प्रस्तावित 30 प्रतिशत से कम है। इस डील के तहत यूरोपीय संघ ने अमेरिका से तीन वर्षों में 750 अरब डॉलर मूल्य की तरलीकृत प्राकृतिक गैस , तेल और परमाणु ईंधन खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश की भी योजना है। मैक्रों ने इसे संभावनाओं वाला समझौता बताया, जो निकट भविष्य के लिए स्थिरता देगा और फ्रांसीसी-यूरोपीय निर्यात हितों को संरक्षित करेगा।

भारत के सहयोग से नेपाल में पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार का काम शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच हुए समझौते के तहत भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार के दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। भारत के बिहार राज्य के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पहले बनाए जा चुके पेट्रोलियम पाइपलाइन के काम को अब चितवन जिला के लोथर तक विस्तार किया जा रहा है। ईंधन की सहज आपूर्ति और ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में भारी कटौती लाने के लिए भारत सरकार की तरफ से नेपाल में अंतर्देशीय पाइपलाइन का निर्माण किया गया है। पाइपलाइन के विस्तार के साथ-साथ तीन महीने की भंडारण वाले एक पेट्रोलियम भंडारण सुविधा का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पेट्रोलियम डिपो लोथर में बनाने की

प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन (एनओसी) ने पाइपलाइन विस्तार की औपचारिक शुरुआत को चिह्नित करते हुए लोथर में परियोजना के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। लोथर के रातीं नगरपालिका-1 में लगभग 23 बीघा और 12 कट्ठा पर अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा। एनओसी के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों को सीधे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मोतिहारी डिपो से लोथर तक ईंधन भेजा जाएगा। इस समय भारत की तरफ से बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पेट्रोल और डीजल भेजा जा रहा है। इस पाइपलाइन के विस्तार के लिए अमलेखगंज और लोथर के बीच 62 किलोमीटर के खंड पर 10.75 इंच की पाइपलाइन बिछाए जाने का कार्य शनिवार से शुरू किया गया है। इस परियोजना के प्रमुख इंजीनियर प्रदीप कुमार यादव ने कहा कि पाइपलाइन के विस्तार के लिए सभी आवश्यक प्रक्रिया को पूरा कर आज से इसके निर्माण का काम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को तीन साल के भीतर पूरा कर संचालित करने की योजना है।

प्रधानमंत्री ओली 3 से 8 अगस्त तक तुर्कमेनिस्तान की यात्रा पर

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी. शर्मा ओली तीन अगस्त को तुर्कमेनिस्तान की यात्रा पर जाएंगे और लैंडलॉक्ड विकासशील देशों (एलएलडीसी3) पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह सम्मेलन तुर्कमेनिस्तान के अवाजा में 5 से 8 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ओली तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सर्दार बर्दिमुहामेदोव और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के निमंत्रण पर सम्मेलन में सहभागी होने के लिए तुर्कमेनिस्तान का दौरा कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम ओली को सम्मेलन को अल्प विकसित देशों के वैश्विक समन्वय ब्यूरो (एलडीसी) के अध्यक्ष के रूप में संबोधित करने का कार्यक्रम है। इसी तरह प्रधानमंत्री ओली सम्मेलन की एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे और

अन्य कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों, संयुक्त राष्ट्र के अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से मिलेंगे। प्रधानमंत्री ओली के साथ उनकी पत्नी राधिका शाक्य, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार बिष्णु रिमाल, सांसद सूर्य बहादुर थापा सहित अन्य उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी भी यात्रा के दौरान होंगे। विदेश मंत्रालय के बयान में प्रधानमंत्री ओली के आठ अगस्त को नेपाल लौटने की बात कही गई।

चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आईएसएस पर पहुंचा स्पेसएक्स, 15 घंटे में पूरा किया सफर; छह महीने बिताएंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन। स्पेसएक्स कैप्सूल चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्रस्स) पर पहुंचा। नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के बाद से लेकर स्टेशन तक पहुंचने में कैप्सूल ने 15 घंटे का समय लिया। अंतरिक्ष स्टेशन पर गए चार अमेरिकी, रूसी और जापानी अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर छह महीने बिताएंगे और परिक्रमा करेंगे। इसके अलावा स्पेसएक्स आईएसएस में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर बुधवार तक वापस आएगा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नासा के जेना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव गए हैं। जैसे ही कैप्सूल ने दक्षिण प्रशांत महासागर के ऊपर डॉक किया तो फिन्के ने रेडियो पर कहा कि हैलो, अंतरिक्ष स्टेशन। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर यात्रियों की कुल संख्या अस्थायी रूप से 11 हो गई। उनका स्वागत करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों ने उनके लिए ठंडे पेय और गर्म भोजन की व्यवस्था की थी। बता दें कि जेना कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल स्पेसएक्स की एक उड़ान से नासा ने भेजा था। जब बोइंग स्टारलाइनर परीक्षण के लिए पायलट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भेजा गया तो कार्डमैन को वापस बुला लिया गया था।

गाजा में कुछ लोगों को मिली नकद सहायता, लेकिन खाना-पीने का सामान मिलना मुश्किल: यूएन

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । गाजा में राहतकर्मियों ने भुखमरी से पीड़ित 10,000 से ज्यादा परिवारों को नकद सहायता दी है, हालांकि बाजार में खाने-पीने का सामान मिलना बेहद मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, बाजार में वस्तुओं के दाम अभी भी बेहद अस्थिर हैं। यह अधिकांश लोगों की पहुंच से बाहर हैं। ओसीएचए के मुताबिक इजरायलियों की ओर से सहायता बढ़ाने और राहत काफिलों के सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने के लगभग एक हफ्ते बाद भी, गाजा में पहुंची सहायता अपर्याप्त है। समाचार एजेंसी के अनुसार, इजरायली अधिकारियों की ओर से निर्धारित रास्तों पर राहत काफिलों को अब भी बाधाओं और खतरों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय ने कहा कि कई महीनों से जीवन रक्षक बुनियादी जरूरतों से वंचित रहने के चलते संकट और गहरा गया है। बड़ी संख्या में लोग भोजन की तलाश में

मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। बीते दो दिनों में 100 से ज्यादा लोगों की मौत खाद्य राहत काफिलों के रास्तों पर या इजरायली सैन्यीकृत वितरण केंद्रों के पास हुई है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबान हाल ही में इजरायल और गाजा से लौटे हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों के साथ अपने मिशन के कुछ अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, हमने स्थिति को स्थिर करने और लोगों की हताशा कम करने के लिए, रोजाना लगभग 500 ट्रकों की संख्या में मानवीय सहायता और कमर्शियल ट्रैफिक की आवाजाही बढ़ाने को कहा है। हमें सभी चैनल्स और सभी गेट्स का उपयोग करके गाजा पट्टी पर आपूर्ति पहुंचानी होगी। ओसीएचए ने कहा कि यहां ईंधन की आपूर्ति अभी भी कम है। हालांकि, हाल के दिनों में सीमित मात्रा में ईंधन को गाजा में प्रवेश करने की अनुमति दी गई है। कार्यालय ने कहा, संयुक्त राष्ट्र और हमारे सहयोगियों को स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, साथ ही आपातकालीन दूरसंचार सेवाओं सहित महत्वपूर्ण सुविधाओं को चलाने के लिए प्रतिदिन लाखों लीटर ईंधन की जरूरत होती है। ओसीएचए ने कहा कि हालांकि कम मानवीय गतिविधियों को सीधे तौर पर नकार दिया जाता है, लेकिन स्वीकृत मिशनों को पूरा होने में अभी भी घंटों लग जाते हैं, क्योंकि उन्हें स्वीकृत मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर रुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

कृषि अर्थव्यवस्था में सब्जियों का महत्व

उद्यान विज्ञान या बागवानी कृषि की मुख्य शाखा है। बागवानी दो शब्दों से बना है। बाग मतलब बगीचा और वानी मतलब कृषि करना या उगाना। फल, फूल तथा सब्जियों की खेती करने को बागवानी कहते हैं।

बागवानी का महत्व

1. भोजनात्मक महत्व – मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ – साथ फल एवं सब्जियों की आवश्यकता महसूस होती है। फल एवं सब्जी मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। भोजन विशेषज्ञ के अनुसार प्रतिदिन अनाज, दाल, दूध, सब्जी के अतिरिक्त 50–60 ग्राम फल का उपयोग करना चाहिए। फलों एवं सब्जियों में विटामिन, खनिजलवण, कार्बोहाइड्रेट, पैक्टिन, सैल्यूलोज, प्रोटीन, वसा पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं जो शरीर की वृद्धि तथा स्वास्थय संरक्षण के लिए बहुत ही आवश्यक तत्व हैं।

2. मनोरंजनात्मक महत्व – दिन भर के कठिन परिश्रम के उपरांत मनुष्य को मनोरंजन की आवश्यक होती है। अगर घर के समीप सब्जी या फल का उद्यान है तो निश्चय ही मनुष्य सुख, शांति एवं ताजगी महसूस कर सकता है।

3. विदेशी धन की प्राप्ति – बहुत सी सब्जियों, फलों को अन्य देशों में बेचकर या निर्यात कर विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है

4. अधिक पैदावार – अन्य फसलों की बजाय सब्जियों व फलों की उपज लगभग 100–150 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है जबकि धान या गेहूं की 50–60 क्विंटल प्रति हेक्टर तक उपज होती है।

5. अधिक कैलोरीज – फलों एवं सब्जियों से प्रति इकाई अधिक कैलोरीज प्राप्त होती है। अर्थात फूलों एवं सब्जिओं का थोड़ी मात्रा में सेवन से भी अधिक शक्ति प्राप्त होती है।

6. शुद्ध लाभ – शुद्ध लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होता है।

7. उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति – फल व सब्जी वाले पौधों से इंधन, लकड़ी, व तेल इत्यादि प्राप्त होते हैं। जैसे– आंवला, नारियल से तेल तथा अन्य पौधों से गोंद एवं अंजीर, बेल व नींबू प्रजाति से दवा बनायी जाती है।

8. रोजगार की संभावनायें – बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिल सकती है। धान्य फसलों की अपेक्षा इसमें अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है जिससे मजदूरों को अधिक समय तक कार्य मिल सकता है। फल एवं सब्जी परिरक्षण फैक्ट्री या उद्योग की स्थापना से बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिलती है। बागवानी पर आधारित उद्योगों जैसे जैम, जेली, सॉस, चटनी, केचप, एवं आचार उत्पादन इत्यादि को बढ़ावा मिलता है और स्वरोजगार की संभावनायें बढ़ती हैं।

9.सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन – बागवानी से दूसरे सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। सब्जी उत्पादन, फलोत्पादन के लिए विशेष यंत्रों की खपत बढ़ जाती है। फलतः नये कारखानों का निर्माण होता है। साथ ही फलों एवं सब्जियों से बने बहुत से पदार्थ जैसे– जैम, जेली, सॉस, चटनी मार्मलेड, शर्बत, इत्यादि के लिए चीनीमिट्टी, शीशे एवं टिन के जार, मसाले, रासायनिक पदार्थ, पैकिंग सामग्री इत्यादि की आवश्यकता होती है। अत इन वस्तुओं के निर्माण हेतु प्रोत्साहन मिलता है।

10.उर्वरक शक्ति में वृद्धि – बागवानी से मृदा (मिट्टी) की उर्वरक शक्ति बढ़ती है। सब्जियों व फलों की पत्तियाँ खेत में सड़कर मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाती हैं। जड़ों के अधिक गहराई में जाने से भूमि का विन्यास अच्छा हो जाता है।

11.आय के साधन में बढ़ोतरी सब्जियाँ अधिक उपज देने वाली होती है साथ ही इनकी उपज प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होती है। सब्जियाँ शीघ्र बढ़नेवाली या पैदा होने वाली होती है। कुछ सब्जियाँ ऐसी भी हैं जो धान्य या अन्य अनाजवाली फसलों की अपेक्षा उच्च दर से बेची जाती है। यदि अधिक उत्पादन के समय सस्ती भी बेची जाएँ तो भी अधिक पैदावार के कारण लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक मिलता है।

सब्जियों की उपयोगिता

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ की लगभग 70% जनता कृषि कार्य करती है। बढ़ती हुई जनसंख्या तथा भूमि क ी

उत्पादन दर कम होने के कारण कभी – कभी भोजन की पूर्ति की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। भारत में खाद्य पदार्थों का कम उत्पादन होने का दूसरा कारण यह भी है कि यहाँ अधिकतर लोगों की काम करने की क्षमता कम है क्योंकि वे असंतुलित एवं कम पोषण आहार के ऊपर निर्भर रहते हैं अतः स्वास्थय ठीक न रहने से उनकी कार्य करने की क्षमता भी कम होती है। इस प्रकार स्वस्थ्य जीवन के लिए सन्तुलित एवं पोषक आहार जरूरी है।

स्वस्थ एवं उत्पादन राष्ट्र बनाने के लिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ – साथ जनता को सन्तुलित आहार प्रदान कराना भी आवश्यक है। यह कार्य सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने से आसानी से हाल हो सकता है। सब्जियों भोजन का एक भाग ही नहीं, बल्कि ये मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्व प्रदान करती हैं। सब्जियों में अधिक मात्रा में विटामिन, खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट तथा प्रोटीन इत्यादि पाये जाते हैं। इस प्रकार जो सब्जियों का उपयोग कम करते हैं या जो इनका उपयोग उचित रूप में नहीं करते हैं, वे खनिज पदार्थ की कमी से उत्पन्न बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इसलिए सब्जियों का हमारे भोजन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। अत– सब्जियों के उत्पादन एवं उपभोग दोनों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रति दिन प्रति व्यक्ति सब्जी की उपयोगिता

भोजन विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 280 ग्राम सब्जियों का उपभोग करना चाहिए, जिसमें 85 जड़ वाली सब्जियाँ, 85 ग्राम अन्य सब्जियाँ तथा 110 ग्राम पत्ता वाली सब्जियाँ शामिल हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ की अधिकतर जनता शाकाहारी है। सब्जियों का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतना होते हुए भी हमारे देश में अन्य देशों की तुलना में सब्जियों का उपयोग बहुत ही कम होता है। भारतीय भोजन में धान्य की अधिकता रहती है, जबकि प्रगतिशील देशों में धान्य की अपेक्षा सब्जियों और फलों की अधिकता रहती है। अतः भारतीय भोजन में सब्जियों एवं फलों की अधिकता के लिए इनके उत्पादन के ऊपर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अधिकतर सब्जियाँ कम अवधि में तैयार हो जाती हैं। अत एक ही खेत में कई बार सब्जियों की फसलें ले सकते हैं।

हरी सब्जियों का महत्व

पत्तीदार हरी शाक–सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में क इ तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, तोटाकुरा, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि। पत्तेवाली सब्जियां लौहयुक्त होती हैं । लौह की कमी से एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है, जो गर्भवती स्तनपान करानेवाली महिलाओं में आम है । रोज खानेवाले भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन एनीमिया को रोकने में सहायक होता है। वह स्वास्थ के लिए लाभदायक भी होता है। ये सब्जियाँ दो भागों में बांटी जा सकती हैं।

ये सब्जियाँ तीन भागों में बांटी जा सकती हैं।

1. शीतकालीन– पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

2. ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

3. जायद

खाद्यान्न फसलें – धान, गेहूं तथा मकई इत्यादि का उपयोग केवल खाने के लिए काम आता हैं। सब्जियों की खेती अधिकतर किसान बेचने के लिए करते हैं। इससे इनको नकद रूपया प्राप्त हो जाता है। खाने के लिए कम मात्रा में उपयोग करते हैं। इन सब्जियों को सप्ताहिक स्थानीय बाजारों में बेच देते हैं जहाँ से ये दूर–दूर शहरों में ले जायी जाती हैं। कृषक सब्जियों की बिक्री करके अपने – अपने परिवार का खर्च चलाने के साथ – साथ सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

इसके लिए ये प्रसिद्ध बीज कंपनियों जैसे राष्ट्रिय बीज निगम, राज्य बीज निगम, इंडो अमेरिकन हाइब्रिड सीड्स कंपनियों के बीजों का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार सब्जियों की अधिकतम पैदावार लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारते है।

दैनिक भोजन में पत्तेदार सब्जियों को भी शामिल करना

पालक, चौलाई, हरी मेथी, सहिजन को पत्ती, मूली पत्तों आदि का सामान्यतया समस्त देश में उपभोग किया जाता है। इन पत्तेदार सब्जियों के लाभों को ध्यान रखते हुए अपने दैनिक भोजन में इनको शामिल किया जाना चाहिए।

पत्तेदार हरी सब्जियाँ अत्यधिक पौष्टिक

पत्तेदार हरी सब्जियाँ महत्वपूर्ण खनिजों और विटामिनों का भंडार होती है और इसलिए इनका वर्गीकरण संरक्षी खाद्य के रूप में किया गया है। इनमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए (जैसे कैरोटीन), विटामिन सी और बी कंप्लेक्स समूह के विटामिन विशेषतया रिबोफ्लोविन और फोलिक एसिड प्रचुर मात्रा में जाए जाते है। इन पत्तेदार सब्जियों में कुछ प्रोटीन भी होती है। हालाँकि इनमें प्रोटीन की मात्रा कम होती है। पत्तेदार हरी सब्जियों को अनाज – दाल में मिलाकर इस्तेमाल किया जाए तो भोजन में प्रोटीन की मात्रा अधिक हो जाती है।

हरी पत्तीदार सब्जियों का पौष्टिक रूप से महत्व

ऐसा माना जाता है कि हरी पत्तीदार सब्जियों के सेवन से बच्चों में अतिसार हो सकता है। इसलिए अधिकांश माताएं अपने बच्चों को इस पोषक तत्व को देने से परहेज करती हैं। कई बैक्टीरिया, कीटाणु, कीट एवं अनचाही वस्तु हरी पत्तीदार सब्जियों को पानी एवं मिट्टी के द्वारा दूषित कर देते हैं और ठीक तरह से सफाई न किये जाने पर ये सब्जियां अतिसार का कारण बन सकती हैं। इसलिए सभी हरी पत्तीदार सब्जियों को दूषित होने से रोकने के लिए उन्हें अच्छी तरह से पानी से धोना चाहिए ताकि अतिसार से बचा जा सके।

हरी पत्तीदार सब्जियों को अच्छी तरह से मिलाकर, पका कर एवं छान कर ही बच्चों को परोसना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण को बनाये रखने के लिए उन्हें अधिक पकाने से परहेज करना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने के बाद उनसे निकलनेवाले पानी को फेंकना नहीं चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने में इस्तेमाल किये जानेवाले बर्तन को हमेशा ढ़ंक कर ही रखना चाहिए। पत्तों को सूर्य की रोशनी में न सूखायें, क्योंकि इससे केरोटिन नष्ट हो जाता है। साथ ही पत्तों को अधिक न भूनें ।

हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण देने की क्षमता को उनकी कीमत से नापना उचित नहीं है।

परन्तु अधिकांश लोग सस्ती वस्तुओं को कम पोषक समझ कर उनका सेवन नहीं करते हैं। सस्ता होने के बावजूद भी हरी पत्तीदार सब्जियों में काफी पोषक तत्व होते हैं और यह सबके लिए महत्वपूर्ण है।

हरी सब्जियों की खेती को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे सालभर उपलब्ध रहें। किचेन गार्डेन, छत और स्कूल के बगान हरी सब्जियों की खेती के लिए उचित स्थान हैं। सहजन की पत्ती और अगाथी की पत्ती का सेवन करना चाहिए और यह आसानी से उपलब्ध भी हो

जायेगा अगर एक बार घर के पिछवाड़े में इसे लगा दिया जाये।

रक्त में मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर को घटाने के लिए मेथी के दानों का प्रयोग

मधुमेह और हृदय रोग आजकल काफी आम बीमारी हो गई है । रक्त में चीनी और चर्बी की वृद्धि से ही कई रोग होते हैं । हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन) ने अपने शोध में पाया है कि मेथी इन दोनों बीमारियों में काफी उपयोगी है। इन बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज में मेथी के बीज काफी उपयोगी होते हैं। कितना और कैसे मेथी का सेवन करें और इसे लेते समय क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए इसका उल्लेख नीचे किया जा रहा है –

मेथी के बीज को खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता हैं और यह राशन के दुकानों में असानी से उपलब्ध रहता है । रेशा की मात्रा अधिक होने के कारण मधुमेह में मेथी लाभदायक है । यह रक्त एवं पेशाब में चीनी की मात्रा और कोलस्टेरॉल की मात्रा को कम करता हैं । कच्चे एवं पके मेथी में यह गुण मौजूद है । मेथी के पत्तों में (मेथी साग) ये गुण नहीं पाये जाते हैं ।

मेथी के बीज की मात्रा मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर पर निर्भर होता है। इसे 25 ग्राम से 50 ग्राम तक की मात्रा में लिया जा सकता है। शुरुआत में 25 ग्राम मेथी के बीज प्रतिदिन 12.5 ग्राम के हिसाब से दो–दो बार दोपहर और रात को खाने के साथ लिया जा सकता है। रात भर पानी में भिंगो कर या पाउडर के रूप में दूध ,पानी या मक्खनवाले दूध या छाँछ में मिलाकर मेथी के बीज का सेवन, भोजन करने के 15 मिनट पहले करना चाहिए ।

मेथी के बीज के कड़वेपन को कई विधियों से कम किया जा सकता है। वर्तमान में कड़वा रहित मेथी के बीज बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। रातभर पानी में भींगोकर रखनेवाले मेथी बीज के गुद्दे या पाउडर को रोटी, दही, दोसा, इडली, पोंगल, उपमा, दलिया, ढोकला, दाल या सब्जी में मिलाया जाता है । इन व्यंजनों में मेथी का कड़वापन भी कुछ हद तक कम हो जाता है । इन व्यंजनों को स्वादानुसार नमकीन या खट्टा बनाया जा सकता है।

मेथी तब तक ही लेना चाहिए, जब तक रक्त और पेशाब में चीनी की मात्रा बढी हुई हो । मेथी के बीज के सेवन के साथ रोजाना शारीरिक कसरत जैसे –टहलना काफी लाभदायक होता है। शरीर के वजन में कमी भी इन्सुलिन के कार्य को संतुलित करती है । अत: वसा का सेवन कम करना चाहिए। कुछ रोगियों में मेथी के उपयोग से शुरुआती दिनों में गैस या डायरिया की समस्या भी हो जाती है ।

मधुमेह के इलाज में मेथी का सेवन केवल आहार संबंधी सहायक चिकित्सा के रूप में लेना चाहिए और प्रति मधुमेह चिकित्सा को जारी रखना चाहिए। हालाँकि मेथी के प्रयोग से प्रति मधुमेह दवाओं की आवश्यकता में कमी की जा सकती है। लेकिन अपने मन से दवा के डोज को बढ़ाने या घटाने की सलाह नहीं दी जाती है। आपके डॉक्टर ही आपके स्थिति को देख कर दवा की उचित खुराक के बारे में जानकारी दे सकते हैं । मधुमेह की गम्भीर स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

मुख्य फसलों की किस्में

पालक– आलग्रीन, पूसा ज्योति, पूसा हरित, पूसा भारती व जोबनेर ग्रीन

विलायती पालक –वर्जिनिया स्वॉय व अर्ली स्मूथलीफ

मेथी – पूसा अर्ली बंच्रिग व पूसा कसूरी

सरसों – पूसा साग–1

चौलाई – पूसा किरन, पूसा कीर्ति, पूसा लाल चौलाई, बड़ी चौलाई व छोटी चौलाई आदि ।

बुवाई का समय – मैदानी क्षेत्रों में पत्तीदार सब्जियों की बुवाई सर्दी के मौसम में सितम्बर से नवम्बर तक अथा गर्मी में फरवरी से मार्च तक करते हैं तथा वर्षा ऋतु में जून अंत से जुलाई तक करते हैं।

बीज दर

पालक व विलायती पालक –25–30 कि.ग्रा.

मेथी – 5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

चौलाई – 1.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

कसूरी मेथी – 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

सिंचाई – मौसम तथा फसल की आवश्यकतानुसार नियमित रुप से सिंचाई करें।

उर्वरक व खाद 25–30 टन गोबर की खाद तथा 80 कि.ग्रा, नत्रजन, 60 कि.ग्रा. फास्फोरस व 50 कि.ग्रा./हेक्टेयर का प्रयोग करें।

प्रमुख रोग एवं नियंत्रण

1. मेथी

a. रोग– मृबुरोमिल आसिता

लक्षण– पत्तियों, की ऊपरी सतह पर पीले रंग के धब्बे बनते हैं और निचली सतह पर भूरे या बैंगनी रंग की रुई के समान उलझी हुई कवक की बढ़वार दिखाई पड़ती है।

नियंत्रण मैंकोजेब, रिडोमिल एम.जेड.–72 का 2.5 कि.ग्रा. का एक हजार लिटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

b. रोग– पर्ण दाग

लक्षण पत्तियों, पर गोल या अर्धगोलाकार धब्बे आते हैं । धब्बे का किनारा भूरा तथा बीच का भाग सफेद या हल्के रंग का होता है। तनों जाती है। पत्तियों पर भी इस रोग के लक्षण दिखाई पड़ते हैं। रोगी फलियाँ पीली होकर नीचे गिर जाती है।

नियंत्रण बीज बोते समय कार्बेन्डाजिम या विटावैक्स 2.5 ग्रा. /कि.ग्रा. बीज दर से उपचारित करें। मैकोजेब 2.5 कि.ग्रा. या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 कि.ग्रा. का एक हजार लिटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

सब्जियों की खेती– अनुकूल वातावरण उज्ज्वल भविष्य

सब्जियों की खेती में सिंचाई के साधन के रूप में नदी, नाला, तालाब, कुआँ, उद्वह सिंचाई परियोजना इत्यादि का व्यवहार किया जाता है। जम्मु क्षेत्र में कूल जमीन का मात्र 26 प्रतिशत भाग ही सिंचित है। बरसात में बिना सिंचाई के ही सब्जियों की खेती की जाती है। परंतु रबी एवं जायद में सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है जिसकी पूर्ति उपरोक्त सिंचाई साधनों से की जाती है। जहां मिट्टी तथा जलवायु सब्जियों की खेती के लिए बहुत ही उपयुक्त है उनमें गोबर या कम्पोस्ट खाद का व्यवहार आवश्यक है। यहाँ के कुछ क्षेत्रों में बरसाती, गर्मी और शीत ऋतू के आलू की भी खेती की जाती है। विभिन्न मौसम की विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ यहाँ पैदा की जाती है। तापक्रम, वर्षा इत्यादि की अनुकूलता के चलते यहाँ सब्जियों की खेती सुगमता पूर्वक की जाती है। यहाँ से सुदूर बाजारों में सब्जियाँ भेजी जाती हैं। सब्जियों की खेती का इस क्षेत्र में भविष्य उज्ज्वल है। क्योंकि अधिकतर सब्जियाँ कम समय में ही तैयार हो जाती है जिन्हें बेचकर किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर लेता है। सब्जियों की खेती में नित नयी – नयी किस्मों का प्रयोग हो रहा है। इसमें कृषि विभाग, जम्मू का काफी योगदान है।

शीतकालीन पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

हरी पत्तीदार सब्जियों में कैल्शियम, बीटा कैरोटिन एवं विटामिन सी भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं। भारत में लगभग पांच वर्ष से कम आयुवाले 39,000 बच्चे हर वर्ष विटामिन ए की कमी से अन्धेपन का शिकार हो जाते हैं। हरी पत्तीदार सब्जियों में उपस्थित कैरोटिन शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है, जिससे अन्धेपन को रोका जा सकता है । हरी सब्जियों में विटामिन सी को बचाये रखने के लिए उन्हें ज्यादा देर तक पकाना अनुचित है, क्योंकि पोषक तत्व जो मसूड़े को शक्ति प्रदान करते हैं, अधिक पकाने से नष्ट हो जाते हैं। हरी सब्जियों में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स भी पाया जाता है।

हरी पत्तीदार सब्जियाँ प्रतिदिन वयस्क महिलाओं के लिए 100 ग्राम, वयस्क पुरुषों के लिए 40 ग्राम, स्कूल न जान वाले बालकों के लिए 4–6 वर्ष 50 ग्राम और 10 वर्ष से अधिक उम्र वाले बालक–बालिकाओं के लिए 50 ग्राम प्रतिदिन आवश्यक है। पत्तीदार हरी शाक–सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में कई तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, चौलाई, सरसों, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि।

पत्तेवाली सब्जियां लौहयुक्त होती हैं । लौह की कमी से एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है, जो गर्भवती स्तनपान करानेवाली महिलाओं में आम है । रोज खानेवाले भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन एनीमिया को रोकने में सहायक होता है। वह स्वास्थ के लिए लाभदायक भी होता है।